आषाढ़ शुक्ल - 14 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 340 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 09-07-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 वापसी को तैयार जसप्रीत बुमराह ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

6 फिलवक्त बिहार में विपक्षी राजनीति का चक्का जाम

7 'साइको सइयां' का मेरे करियर में बड़ा योगदान : ध्वनि भानुशाली

फर्स्ट टेक

भारत ने पनडुब्बी रोधी रॉकेट प्रणाली का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने विस्तारित रेंज वाली पनडुब्बी रोधी रॉकेट प्रणाली का परीक्षण किया है, जिससे भारतीय नौसेना की मारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि विस्तारित रेंज पनडुब्बी रोधी रॉकेट (ईआरएएसआर) के उपयोगकर्ता परीक्षण आईएनएस कवरत्ती से सफलतापूर्वक किये गये। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, भारतीय नौसेना और इस प्रणाली के विकास एवं परीक्षण में शामिल उद्योग को बधाई दी। सिंह के कार्यालय ने 'एक्स' पर कहा, उन्होंने (रक्षा मंत्री ने) कहा कि इस प्रणाली को सफलतापूर्वक शामिल करने से भारतीय नौसेना की मारक क्षमता में वृद्धि होगी।

हज-2026 के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली/भाषा। हज 2026 के लिए आवेदन मंगलवार से शुरू किया गया और ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक स्वीकार किये जाएंगे। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि हज 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। हज यात्रा पर जाने वाले इच्छुक यात्री हज पोर्टल एचटीटीपीएस://हजकमेटीडॉटजीओवीडॉटआईएन या 'हज सुविधा' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन विंडो आज से 31 जुलाई रात 11:59 बजे तक खुली रहेगी। उन्होंने कहा कि आवेदन की अंतिम तिथि को या उससे पहले जारी किया गया पासपोर्ट होना अनिवार्य है और यह कम से कम 31 दिसंबर 2026 तक वैध होना चाहिए। हज समिति आवेदकों को आवेदन करने से पहले अपनी तैयारियों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की सलाह दी है।

नेपाल को चीन से जोड़ने वाला पुल बाढ़ में ध्वस्त, 20 लोग लापता

काठमांडू/भाषा। नेपाल में मानसून की बारिश की वजह से आई बाढ़ में हिमालयी देश को चीन से जोड़ने वाला मैत्री पुल मंगलवार को ध्वस्त हो गया, जिसके कारण कम से कम 20 लोग लापता हो गए। चीन में लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण सोमवार रात नेपाल में भोटेकोशी नदी में बाढ़ आ गई। काठमांडू से 120 किलोमीटर उत्तर पूर्व में रसुवा जिले में स्थित मितेरी पुल सोमवार देर रात सवा तीन बजे बाढ़ में पानी के तेज बहाव की वजह से ध्वस्त हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छह चीनी नागरिकों सहित 20 लोग लापता हैं।

सूर्यास्त 09-07-2025	सूर्योदय 10-07-2025
6:50 बजे	5:59 बजे

BSE	NSE
83,712.51	25,522.50
(+270.01)	(+61.20)

सोना	चांदी
10,177 रु.	110,709 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चोरी और सीनाजोरी

सब नंगे हैं इस हमाम में,
कौन करेगा किसकी चोरी।
कटी पतंगों से हैं डाटा,
जिनकी नहीं हाथ में डोरी।
डटे हुए डाटा को लेकर,
पर जनता है बड़ी चकोरी।
खुद चोरी करते हैं नेता,
लेकिन करते सीनाजोरी।।

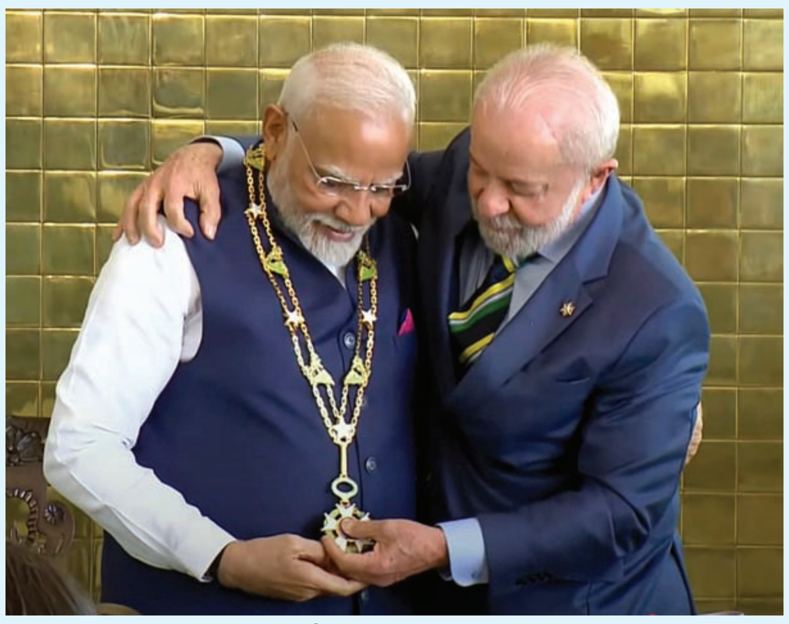

ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रासीलिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से सम्मानित किया गया।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और प्रमुख वैश्विक मंचों पर भारत-ब्राजील सहयोग बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया।

मई 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से किसी विदेशी सरकार द्वारा उन्हें दिया गया यह 26वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान कहा

आतंकवाद पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रासीलिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और ब्राजील आतंकवाद तथा इसका समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान और उसके सदाबहार मित्र चीन की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए कहा कि आतंकवाद पर दोहरे मानदंड के लिए कोई जगह नहीं है।

मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने और इसे लेकर दोहरा मानदंड न अपनाये जाने की नीति को लेकर हमारी सोच एक जैसी है।''

■ दोनों पक्षों ने कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री मोदी ने किसी देश का नाम लिये बिना कहा कि भारत और ब्राजील आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं। पूर्व में भारत ने पाकिस्तान को आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बताया है।

मोदी ने पाकिस्तान के सदाबहार मित्र चीन की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए कहा, ''आतंकवाद के मामले में दोहरे मानदंड के लिए कोई स्थान नहीं है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद राष्ट्रपति लूला की एकजुटता और समर्थन के लिए उनका आभार जताया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों सहित बहुआयामी संबंधों पर व्यापक चर्चा की।

जायसवाल ने बताया कि दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण खनिजों, नयी और उभरती प्रौद्योगिकियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सुपर कंप्यूटर, डिजिटल सहयोग और गतिशीलता के नये क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशे। जायसवाल ने बताया कि दोनों नेताओं ने अगले पांच वर्षों में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य निर्धारित किया।

देश भर में 25 करोड़ कामगारों की आज हड़ताल

किसान संगठन भी समर्थन में उतरे

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय और क्षेत्रीय श्रमिक संगठनों से जुड़े 25 करोड़ से अधिक कर्मचारी बुधवार को नए श्रम कानूनों और निजीकरण के विरोध में देश भर में हड़ताल पर जाएंगे। कर्मचारियों की हड़ताल से बैंकिंग, डाक और अन्य सेवाओं में व्यवधान पैदा होने की आशंका है। श्रमिक संगठनों ने न्यूनतम मासिक वेतन 26,000 रुपये करने और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने जैसी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने के मकसद से देशव्यापी हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। एक श्रमिक संगठन के पदाधिकारी ने मंगलवार को कहा कि आम हड़ताल से बैंकिंग, बीमा, डाक, कोयला खनन, राजमार्ग और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सेवाएं बाधित हो सकती हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और नरेगा संघर्ष मोर्चा जैसे क्षेत्रीय संगठनों ने भी इस हड़ताल को अपना समर्थन दिया है।

■ नए श्रम कानूनों और निजीकरण का विरोध

इजराइल के साथ युद्ध में 1,060 लोग मारे गए : ईरान

दुबई/एपी। ईरान की सरकार ने इजराइल के साथ युद्ध में मरने वाले लोगों की नई संख्या जारी करते हुए बताया कि इसमें कम से कम 1,060 लोग मारे गए हैं। साथ ही, उसने चेतावनी दी है कि यह संख्या बढ़ सकती है। ईरान के 'फाउंडेशन ऑफ मार्टर एंड वेटरंस अफेयर्स' के प्रमुख सईद ओहादी ने सोमवार देर रात ईरानी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार में मृतकों की संख्या के बारे में जानकारी दी। ओहादी ने चेतावनी दी कि कुछ लोग जिस तरह से गंभीर रूप से घायल हुए हैं, उसे देखते हुए मरने वालों की संख्या 1,100 तक पहुंच सकती है।

प्रदूषण को कम करना सभी की पहली जिम्मेदारी : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़कों पर जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करना सभी हितधारकों की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने यहां एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के एक कार्यक्रम में कहा कि एथनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देकर और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान से प्रदूषण को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार दोनों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि सरकार सड़क बनाने में कचरे का भी इस्तेमाल कर रही है और इस काम में लगभग 80 लाख टन कचरे का इस्तेमाल किया गया है।

गडकरी ने कहा, ''हम अपने राजमार्गों पर बारिश का पानी जमा करने जैसे उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को भी प्राथमिकता दे रहे हैं।'' एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि एनएचएआई बांस के बागान, घने वृक्षारोपण और हरित गलियारे बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें आगे कहा गया कि एनएचएआई ने 2024-25 के दौरान 60 लाख वृक्षारोपण के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 67 लाख पेड़ लगाए।

वैश्विक बाजारों की ओर बढ़ रहे हैं किसान : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उप्र)/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि भारत में किसान अब मोबाइल आधारित फसल निगरानी पद्धति को अपनाने के साथ-साथ तकनीक की मदद से वैश्विक बाजारों तक पहुंच भी बना रहे हैं।

प्रधान ने मेरठ में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कृषि प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि किसान जल्द ही अपने मोबाइल फोन पर अपेक्षित वर्षा, कौन सी फसल बोनी है और विभिन्न बाजारों में कृषि उत्पादों की मांग के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आईआईटी रोपड़ के सहयोग से विश्वविद्यालय में एक नवाचार केंद्र स्थापित किया गया है और जल्द ही कृषि कौशल विकास केंद्र भी शुरू किया जाएगा।

कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रधान ने कहा कि एआई किसानों को फसलों में लगने वाले रोगों की पहचान करने और संभावित समाधान सुझाने में मदद करेगा।

कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि तकनीक की मदद से भारतीय किसान वैश्विक बाजार से जुड़ सकते हैं। उन्होंने किसानों से किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाने का आग्रह किया और कहा कि नवाचार केंद्र का शुभारंभ कृषि में एक नए युग की शुरुआत है। चौधरी ने कहा कि स्टार्टअप और कृषि वैज्ञानिक अब खेती के जोखिम को कम करने में किसानों की मदद के लिए उनके साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

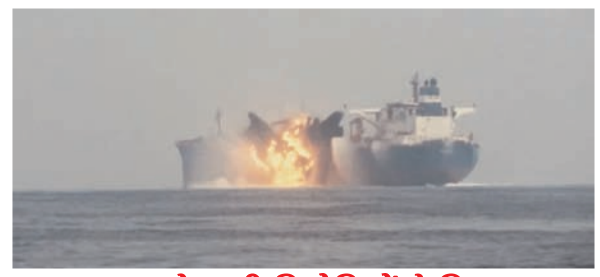

यमन के हूती विद्रोहियों ने किया

लाल सागर में एक और जहाज पर हमला, तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। लाल सागर में लाइबेरियाई ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज पर यमन के हूती विद्रोहियों के हमले में तीन नाविकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह जानकारी यूरोपीय संघ के एक नौसैनिक बल ने मंगलवार को दी।

यूनान के स्वामित्व वाले 'इटरनिटी सी' पर हमला हूतियों द्वारा सोमवार को लाल सागर में एक अन्य जहाज पर हमला किये जाने और उसे डुबोने के दावे के बाद हुआ है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है। ये दोनों हमले नवंबर 2024 के बाद से नौवहन पर हूतियों द्वारा किए गए पहले हमले हैं। यह संभावित रूप से इस जलमार्ग को निशाना बनाने के एक नये अभियान का शुरुआती संकेत है, जिससे हाल के हफ्तों में अधिक जहाजों का गुजरना शुरू हो गया था।

सोमवार रात को जब यह जहाज़ उत्तर दिशा में स्वेज नहर की ओर बढ़ रहा था, तभी छोटी नावों में सवार लोगों और बम से लैस ड्रोन से उस पर हमला किया गया।

अमेरिका भारत के साथ 'व्यापार समझौता' के करीब : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ व्यापार समझौता करीब है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनके प्रशासन ने कई देशों को आयातित उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्कों का विवरण देते हुए पत्र भेजना शुरू कर दिया है।

ट्रंप ने सोमवार को कहा, ''हमने ब्रिटेन के साथ एक समझौता किया है, हमने चीन के साथ एक समझौता किया है... हम भारत के साथ एक समझौता करने के करीब हैं।''

इसके साथ ही ट्रंप ने कहा, ''हमने अन्य लोगों से भी मुलाकात की थी और हमें नहीं लगता कि हम समझौता कर पाएंगे, लिहाजा हमने उन्हें एक पत्र भेजा है। यदि आप अपना सामान (अमेरिका) भेजना चाहते हैं, तो आपको इसका (शुल्क का) भुगतान करना होगा।''

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी प्रशासन ने दो जुलाई से लगाए गए उच्च शुल्क के निलंबन को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है। इससे भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मिल गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत कोई भी व्यापार समझौता समयसीमा के आधार पर नहीं करता है और समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब यह पूरी तरह से अंतिम रूप ले लेगा, उचित रूप से संपन्न हो जाएगा और राष्ट्रीय हित में होगा। कृषि और डेयरी क्षेत्र भारत के लिए अमेरिका को शुल्क रियायतें देने के लिए कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं।

अमेरिका ने जवाबी शुल्क निलंबन एक अगस्त तक बढ़ाया, भारत को राहत

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के जवाबी शुल्क के निलंबन को एक अगस्त तक बढ़ाने से भारतीय निर्यातकों को राहत मिलेगी। साथ ही भारत और अमेरिका को अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए लंबित मुद्दों को सुलझाने के वास्ते अतिरिक्त समय मिलेगा। ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को विभिन्न देशों को 'पत्र' भेजे जिसमें उन देशों के उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्कों का ब्योरा है। इन देशों में हालांकि भारत को शामिल नहीं किया गया। बांग्लादेश, बोस्निया एंड हर्जेगोविना, कंबोडिया, इंडोनेशिया, जापान, कजाकिस्तान, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मलेशिया, सर्बिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और ट्यूनीशिया को ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित पत्र भेजे गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक अलग कार्यकारी आदेश में कई अन्य देशों पर बढ़ाए गए शुल्क को टालने की अवधि एक अगस्त तक बढ़ा दी है। शुल्क पर यह 90 दिवसीय निलंबन नौ जुलाई को समाप्त होना था। इस निर्णय पर टिप्पणी करते हुए निर्यातकों ने कहा कि जवाबी शुल्क लगाने को नौ जुलाई से एक अगस्त तक स्थगित करना अमेरिका की अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने की इच्छा को दर्शाता है।

यूक्रेन को और हथियार भेजेगा अमेरिका : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति फिलहाल रोकने संबंधी आदेश जारी करने के कुछ ही दिन बाद कहा है कि अमेरिका कीव को और हथियार भेजेगा। उनका यह बयान 'पेंटागन' (अमेरिका के रक्षा मंत्रालय का मुख्यालय) द्वारा पिछले सप्ताह की गई घोषणा के बाद उनके अचानक बदले रुख को दर्शाता है। 'पेंटागन' ने कहा था कि वह यूक्रेन को हवाई हमलों से बचाव करने वालीं मिसाइलें, सटीक निशाना लगाने वालीं तोपें जैसे कुछ हथियार भेजना फिलहाल रोक रहा है। यह आदेश इसलिए दिया गया था क्योंकि अमेरिका इस बात को लेकर चिंतित है कि उसके अपने हथियारों का भंडार बहुत कम हो गया है।

अफगानिस्तान पर संरा महासभा में लाए प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा भारत

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया और कहा कि ''सामान्य तौर-तरीकों के साथ काम करने'' से शायद वे परिणाम नहीं मिल पाएंगे, जिनकी वैश्विक समुदाय अफगान जनता के लिए अपेक्षा करता है।

संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने सोमवार को जर्मनी द्वारा पेश 'अफगानिस्तान में स्थिति' पर प्रस्ताव को पारित किया। प्रस्ताव के पक्ष में 116 वोट पड़े, दो ने विरोध किया और 12 देश मतदान से दूर रहे, जिनमें भारत भी शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मतदान में भाग न लेने पर कहा कि किसी भी युद्धोत्तर स्थिति से निपटने के लिए एक समेकित नीति में विभिन्न बातें समाहित होनी चाहिए, जिसमें सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करने और हानिकारक कार्यों को हतोत्साहित करने वाले उपाय शामिल हों। हरीश ने कहा, ''हमारे दृष्टिकोण में केवल दंडात्मक उपायों पर केंद्रित एकतरफा रुख नहीं चल सकता। संयुक्त राष्ट्र और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अन्य युद्धोत्तर परिप्रेक्ष्य में अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत, अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने समन्वित प्रयास करने चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा नामित संस्थाएं और व्यक्ति, अलकायदा और उसके सहयोगी संगठन, इस्लामिक स्टेट और उसके सहयोगी संगठन, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद शामिल हैं, तथा उनके क्षेत्रीय प्रायोजक जो उनकी गतिविधियों में सहायता करते हैं।

केजीएफ में ॐ भिक्षु जप अनुष्ठान से शुरू हुआ आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ। शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पावनप्रभाजी के सान्निध्य में मंगलवार को आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष प्रारंभ हुआ। साध्वीश्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु का जन्म आषाढ़ी तेरस को हुआ था जो कि सर्व सिद्धि त्रयोदशी का दिन होता है। इस तिथि में जिसका भी जन्म होता है उसका हर काम सिद्ध हो जाता है। सफलता उसके कदम चूमती है।

स्वामीजी को बाहरी आडम्बर पसन्द नहीं था। साध्वीश्री ने कहानी के माध्यम से भिक्षु स्वामी की आत्म शुद्धि के बारे में बताया। साध्वी उन्नतयशाजी ने कहा कि व्यक्ति जन्म से महापुरुष नहीं बनता बल्कि अपने पुरुषार्थ से महापुरुष बनता है। साध्वियों व महिला मंडल की सदस्याओं ने आचार्य भिक्षु की क्रांति व तेरापंथ संघ पर आधारित गीत की प्रस्तुति दी। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने सजोड़े चौबीस घण्टे का अखण्ड जप अनुष्ठान में भाग लिया।

कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट ने 200 सरकारी स्कूली बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा श्रीरामपुरम सरकारी विद्यालय में नोटबुक्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने जीवन में शिक्षा के महत्व विषय पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को श्रद्धा एवं समर्पण भाव से पढ़ाई करने की बात कही।

कार्यक्रम में 200 से भी ज्यादा विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। ट्रस्ट के मंत्री सिद्धार्थ बोहरा, उपाध्यक्ष रमेश गुगलिया, हंसराज मुणोत, विमल गांधी, सूरजमल पितलिया, किरण राज कोठारी, कांतिलाल गुगलिया, रमेश गुगलिया, किरण गुगलिया, दिनेश खिंवेसरा, महेंद्र खिंवेसरा आदि उपस्थित थे। स्कूल के शिक्षकों ने ट्रस्ट के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अध्यक्ष व अतिथि का सम्मान किया।

राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ भवन में भिक्षु चेतना वर्ष का हुआ आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ के आद्य प्रणेता आचार्यश्री भिक्षु के 300वें जन्म वर्ष के शुभारंभ के अवसर पर साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन राजराजेश्वरीनगर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

आचार्य भिक्षु के जीवन के मार्मिक घटना प्रसंगों का उल्लेख करते हुए साध्वी पुण्ययशाजी ने कहा कि विचक्षण, बुद्धि, अडोल धैर्य, असीम आचार निष्ठा का नाम है आचार्य भिक्षु। वे एक विलक्षण और उच्च कोटि के संत थे। उनकी उत्कृष्टता का मूल कारण था आचार, विचार, विषयक विशुद्धि की पूर्ण जागरुकता। तेरापंथ जिनका पोर्टफोलियो ही नहीं प्राण तत्त्व था। आचार्य भिक्षु के अशेष बलिदान ने तेरापंथ को युगों-युगों तक अमर बना दिया।

त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष में साध्वीश्रीजी की प्रेरणा से प्रवचन कार्यक्रम में उपस्थित जनोंने 300 सामायिक की। साध्वीश्रीजी के सान्निध्य में तेरह कोटि जाप से त्रिशताब्दी वर्ष का शुभारंभ हुआ। गत 7 जुलाई से सवालाख भिक्षु जाप का अखण्ड जप चल रहा है। साध्वी विनितयशाजी, वर्धमानयशाजी, बोधिप्रभाजी ने में गीतिका से मंगलाचरण किया। मंच का संचालन साध्वी वर्धमानयशा जी ने किया। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। युवक परिषद के सदस्यों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। सामायिक ग्रुप सदस्याओं ने भिक्षु अष्टकम का सामूहिक संगान किया तथा महिला मंडल ने अपनी प्रस्तुति दी।

यात्रा

तीर्थयात्री मंगलवार को जम्मू के महाजन हॉल में वार्षिक 'अमरनाथ यात्रा' के लिए खुद को पंजीकृत करते हुए।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी समारोह शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा के तत्वावधान में गांधीनगर भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ के प्रथम प्रणेता आचार्य श्री भिक्षु का जन्म त्रिशताब्दी समारोह का शुभारंभ कार्यक्रम हुआ। मुनि पुलकित कुमार जी ने आचार्य भिक्षु के जीवन विशेषताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि आचार्यश्री भिक्षु तेरापंथ धर्मसंघ के प्रथम आचार्य थे। उन्होंने धर्म संघ में एक आचार्य, एक विचार और एक अचार का सूत्र दिया।

भिक्षु स्वामी एक ऐसे महापुरुष थे जिनके जीवन का प्रत्येक घटना प्रसंग सत्य को समर्पित, सहिष्णुता और उदारता का उत्कृष्ट उदाहरण था। मुनिश्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु के जीवन में समता भाव विशेष था। वे जन उद्धारक जैन आचार्य थे। उनका जीवन मनुष्य को सद्गुणों की प्रेरणा देने वाला रहा। उन्होंने अनेक संघर्षों की स्थिति में भी सकारात्मकता को धारण करके रखा इसलिए वे सबके पूज्य बन गए। आज उनका 300 वां जन्मोत्सव सभी श्रावक समाज को आध्यात्मिक उन्नयन की प्रेरणा देने वाला है। नवकार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

मुनि आदित्य कुमार जी ने भिक्षु को समर्पित गीत गाया। मुनि श्री द्वारा ओम भिक्षु जय भिक्षु का जाप करवाया गया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, तेरापंथ महासभा के प्रकाश लोढ़ा, तेयुप के अध्यक्ष प्रसन्न धोका, महिला मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा, मंत्री विजेता रायसोनी, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, रेणु कोठारी ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने संचालन किया।

वर्ष 2008 से 2017 के बीच जन्मे डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों में पेट के कैंसर का खतरा: शोध रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनियाभर में वर्ष 2008 से 2017 के बीच जन्मे डेढ़ करोड़ से अधिक लोग जीवन में कभी न कभी पेट के कैंसर से पीड़ित हो सकते हैं और ऐसे लोगों की सर्वाधिक संख्या चीन के बाद भारत में होगी। एक शोध रिपोर्ट में यह अनुमान व्यक्त किया गया है।

इसमें कहा गया है कि इन अनुमानित डेढ़ करोड़ कैंसर मरीजों में से दो-तिहाई लोग एशियाई देशों के हो सकते हैं, जबकि इसके बाद अमेरिका और अफ्रीका का स्थान आता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर एजेंसी 'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' के शोधकर्ताओं सहित अन्य अनुसंधानकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र जनसांख्यिकीय डेटा के आधार पर अनुमानित मृत्यु दर के साथ-साथ 'जीएलओबीओसीएएन' (ग्लोबोकैन)-2022 के डेटाबेस का उपयोग करके 185 देशों में 'गैस्ट्रिक कैंसर' यानी पेट के कैंसर की घटनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

'नेचर' मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के लेखकों ने कहा, ''विश्व स्तर पर इस अवधि में जन्मे 1.56 करोड़ लोगों को जीवन में कभी न कभी पेट का कैंसर होने की आशंका है, जिनमें से 76 प्रतिशत लोगों में कैंसर का कारण हेलिकोबैक्टर पाइलोरी (बैक्टीरिया) बनेगा।

पेट में पाए जाने वाले एक सामान्य बैक्टीरिया 'हेलिकोबैक्टर पाइलोरी' के कारण होने वाला लगातार संक्रमण पेट के कैंसर का मुख्य कारण माना जाता है, जो दुनिया में कैंसर से होने वाली मौतों का पांचवां प्रमुख कारण है।

लेखकों ने 'गैस्ट्रिक कैंसर' (पेट का कैंसर) की रोकथाम में और अधिक निवेश करने का आह्वान किया विशेष रूप से जनसंख्या के स्तर पर जांच और जीवाणु संक्रमण का उपचार करने के माध्यम से। इस तरह के कैंसर को प्रभावी उपचार के माध्यम से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं और बुजुर्गों में बढ़ती घटनाएं पेट के कैंसर के मामलों और इससे जुड़ी मृत्यु दर को कम करने के हाल के प्रयासों पर पानी फेर सकती है।

अध्ययन में अनुमान जताया गया है कि एशिया में पेट के कैंसर के 1.06 करोड़ नए मामले सामने आएंगे, जिनमें से 65 लाख मामलों के भारत और चीन में होने की आशंका है।

आप में से कई अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर जा सकते हैं: शुभांशु शुक्ला ने छात्रों से कहा

नई दिल्ली/भाषा। शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से रेडियो के माध्यम से बातचीत के दौरान स्कूली छात्रों के एक समूह से कहा आप में से कई भविष्य के अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर भी जा सकते हैं।

कक्षीय प्रयोगशाला में 12 दिन बिता चुके शुक्ला मेघालय और असम के सात स्कूलों के छात्रों के साथ बातचीत कर रहे थे, जो अंतरिक्ष यात्री से बात करने के दुर्लभ अवसर के लिए शिलांग में उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एनईसैक) में एकत्र हुए थे। विद्यार्थियों ने शुक्ला को 20 प्रश्न भेजे थे, और उन्होंने 10 मिनट के समय में हैम रेडियो के माध्यम से विद्यार्थियों से संपर्क किया तथा आईएसएस पर अपने अनुभव, अंतरिक्ष यात्री के रूप में प्रशिक्षण तथा अंतरिक्ष में स्वस्थ रहने के बारे में अपने विचार साझा किए। शुक्ला ने कहा, मैं वापस आऊंगा और आपका मार्गदर्शन करूंगा। आपमें से कई लोग भविष्य के अंतरिक्ष यात्री बनेंगे। जिज्ञासु बने रहें, कड़ी मेहनत करें और खुद पर विश्वास रखें, आप में से कोई चंद्रमा पर भी जा सकता है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष स्टेशन पर जीवन सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) पर सेट घड़ी से संचालित होता है। शुक्ला ने कहा, हम सूर्य का अनुसरण नहीं करते। आईएसएस पर हम हर दिन 16 सूर्योदय और सूर्यास्त देखते हैं, क्योंकि हम हर 90 मिनट में पृथ्वी का चक्कर लगाते हैं। हमारी गतिविधियां सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि जीएमटी से संचालित होती हैं।

शुक्ला ने कहा, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के कारण मांसपेशियों और हड्डियों को नुकसान पहुंचता है। इसलिए हम हर दिन ट्रेडमिल, साइकिल और शक्ति प्रशिक्षण मशीनों का उपयोग करके व्यायाम करते हैं। मिशन के लिए और पृथ्वी पर वापस लौटने के लिए फिट रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा, हमारा अधिकांश प्रशिक्षण असामान्य परिस्थितियों से निपटने के बारे में है। टीमवर्क और मजबूत सहायता प्रणाली महत्वपूर्ण हैं। शुक्ला ने कहा, रोबोटिक्स और एआई हमारे मिशन का अभिन्न अंग हैं। हम कई आंतरिक और बाह्य कार्यों के लिए रोबोटिक भुजाओं का उपयोग करते हैं, जिससे अंतरिक्ष स्टेशन पर हमारा काम अधिक सुरक्षित और सुगम हो जाता है।

ईडी ने कर्नाटक वक्फ बोर्ड को 3.82 करोड़ रुपये की संपत्ति लौटाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को कहा कि उसने कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड से कथित धोखाधड़ी के एक मामले में धन शोधन जांच के बाद बोर्ड को 3.82 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वापस कर दी है। धन शोधन का यह मामला विजया बैंक के दो अधिकारियों और वक्फ बोर्ड के प्रथम श्रेणी सहायक सैयद सिराज अहमद नामक व्यक्ति के खिलाफ राज्य पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ।

संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि वक्फ बोर्ड ने विजया बैंक में सावधि जमा खाते खोलने के लिए 4,00,45,465 रुपये के दो चेक जारी किए। बयान में कहा गया कि हालांकि, खाते खोलने के बजाय, धन को फर्जी संस्थाओं को हस्तांतरित कर दिया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि यह पाया गया कि 4 करोड़ रुपये 'वेरकीज रिएलिटीज प्राइवेट लिमिटेड' नामक कंपनी के खाते में अंतरित किए गए, जिसमें से 1.10 करोड़ रुपये एक मर्सिडीज कार की खरीद पर खर्च किए गए, जबकि 2,72,74,444 रुपये एक अन्य खाते में हस्तांतरित कर दिए गए। इस जांच के तहत एजेंसी ने 2017 में 3.82 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की थीं और उसी साल मार्च में छह व्यक्तियों और इकाइयों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया, जिनमें वेरकीज रिएलिटीज भी शामिल है।

यह अभियोजन शिकायत बेंगलूरु स्थित विशेष धन शोधन रोधी अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में दाखिल की गई थी। पीएमएलए और इसके 'मुख्य उद्देश्य' यानी अपराध से अर्जित धन को असली पीड़ित को लौटाने के तहत, ईडी ने कोई आपत्ति नहीं जतायी जब अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने यह धन कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड को लौटाने पर विचार किया, जो इस मामले में सही हकदार है।

एजेंसी ने एक जुलाई को वक्फ बोर्ड को 3,82,74,444 रुपये का एक बैंकर चेक जारी किया। एजेंसी ने कहा कि यह ईडी के उस जारी अभियान की दिशा में एक 'महत्वपूर्ण' कदम है, जिसका उद्देश्य गबन की गई राशि पीड़ितों को वापस लौटाना है। एजेंसी ने कहा, यह राशि जारी करना दिखाता है कि ईडी वित्तीय अपराध के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। ईडी धनशोधन के खिलाफ लड़ाई में पूरी तरह समर्पित है और यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि अपराध से अर्जित राशि सही मालिकों को वापस मिले।

पुत्तूर में नाबालिगों को परेशान करने और सांप्रदायिक टिप्पणी करने के आरोप में दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुत्तूर। कर्नाटक में दो नाबालिगों को परेशान करने और सांप्रदायिक टिप्पणियां करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दक्षिण कन्नड़ पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक नाबालिग के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुत्तूर शहर की पुलिस ने एक बयान में बताया कि शनिवार पांच जुलाई की दोपहर को शिकायतकर्ता का बेटा अपनी एक परिचित लड़की के साथ पुत्तूर कसाबा गांव में बीरमाले हिल के पास बैठा था। बयान के अनुसार, इसी बीच दो अज्ञात लोग वहां आए, उन्होंने नाबालिगों के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया, उनका वीडियो रिकॉर्ड करने एवं उसे सोशल मीडिया पर साझा करने की धमकी दी तथा लड़के के दूसरे धर्म से संबंधित होने को लेकर सांप्रदायिक टिप्पणियां कीं।

पुलिस के अनुसार, ऐसा बताया जा रहा है कि आरोपियों ने वहां अन्य लोगों को एकत्र किया और नाबालिग लड़के का सार्वजनिक रूप से अपमान किया, घटना को फिल्माया और बाद में व्हाट्सऐप एवं इंस्टाग्राम पर इसे साझा किया। जांच के बाद दो आरोपियों पुरुषोत्तम (43) और रामचंद्र (38) को गिरफ्तार कर लिया गया और उनसे फिलहाल पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की समुदायों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और आपराधिक धमकी से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने जनता और मीडिया से आग्रह किया कि वह मामले से संबंधित कोई भी जानकारी साझा करते समय किशोर न्याय अधिनियम का सख्ती से पालन करें क्योंकि दोनों पीड़ित नाबालिग हैं।

अन्नपूर्णेश्वरी भोजन समिति के कार्यों की सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मंगलवार को टुमकूर विश्वविद्यालय परिसर में अन्नपूर्णेश्वरी भोजन समिति द्वारा वितरित किए जा रहे गर्म भोजन वितरण केंद्र का दौरा राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने किया। उन्होंने स्वयं विद्यार्थियों को भोजन परोसकर इस परियोजना की सराहना की। राज्यपाल ने पावागढ़ रामकृष्ण सेवाश्रम और शिरडी साईं मंदिर आदर्शनगर तुमकुर के सहयोग से अन्नपूर्णेश्वरी भोजन समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने दीक्षांत भाषण में भी इसका उल्लेख किया और कहा कि राज्य के किसी अन्य विश्वविद्यालय में ऐसा प्रोजेक्ट नहीं देखा गया है। उन्होंने इस बात की प्रशंसा की कि तुमकुर विश्वविद्यालय बच्चों को मात्र 5 रुपये में भोजन उपलब्ध करा रहा है।

एपिऑन ने सहकारनगर में खोला नया केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के अग्रणी दर्द प्रबंधन केंद्रों में से एक 'एपिऑन' ने सहकारनगर में अपने नए केंद्र का उद्घाटन किया। एपिओन का यह कदम विश्व स्तरीय दर्द प्रबंधन सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने के अपने मिशन में एक और महत्वपूर्ण कदम है। एपिओन ने दक्षिण भारत में अपने केंद्रों में 75,000 से अधिक रोगियों का इलाज करके दर्द निवारण में एक विश्वसनीय नाम अर्जित किया है। इस केन्द्र में रोगियों को पुराने दर्द को प्रबंधित करने और उन्नत, गैर-आक्रामक उपचारों के माध्यम से उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी। एपिऑन भारत में दर्द से राहत के लिए प्लाज्मा थेरेपी शुरू करने वाली पहली कंपनी बन गई है।

एपिओन के संस्थापक और प्रबंध निदेशक तथा दर्द निवारक दवा के प्रमुख डॉ. सुधीर दारा ने कहा, हम अपनी पहुंच का विस्तार करने और रोगी अनुभव तथा स्वास्थ्य परिणामों में नए मानक स्थापित करने के लिए उत्साहित हैं। हमारा मिशन पुराने दर्द से पीड़ित लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है।

भटकल में आवारा कुत्तों के हमले में 70 घंटे में 15 से अधिक लोग जख्मी

कारवार/दक्षिण भारत । कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल शहर में पिछले 70 घंटों में आवारा कुत्तों के हमलों में 15 से ज़्यादा लोग जख्मी हो गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश पीड़ित बच्चे और बुजुर्ग थे, जिन्हें आवासीय क्षेत्रों या बाजारों से गुजरते समय कुत्तों ने काट लिया। हमले छह जुलाई को शुरू हुए और तब से लगातार बढ़ रहे हैं। आवारा कुत्तों के हमलों से जख्मी हुए लोगों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है और कई लोगों को 'एंटी-रेबीज' टीके लगाए जा रहे हैं। घटनाओं की बढ़ती संख्या से निवासियों में चिंता पैदा हो गई है और वे नगर निगम अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कई लोगों का आरोप है कि आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी के बारे में पहले भी शिकायतें की गई थीं लेकिन उन्हें नगर निकायों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया। भटकल नगर पालिका के अधिकारियों ने कहा कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं और शीघ्र ही बंध्याकरण और बचाव अभियान शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य ने की खुदकुशी

उडुप्पी/दक्षिण भारत । जिले के एक सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य ने मंगलवार को सुबह खुदकुशी कर ली। पुलिस ने प्राधानाचार्य के इस कदम के पीछे वित्तीय तनाव की आशंका व्यक्त की है। मृतक कुबेर धर्म नायक (कुबेरअप्पा) (49) हल्लिहोले गांव में सुलगोडु सरकारी उच्च माध्यमिक स्कूल के प्रधानाचार्य के रूप में कार्यरत थे। पुलिस के अनुसार, यह घटना कमलाशिले पुल के पास घटी। नायक को एक पेड़ पर बंधी रस्सी से लटका पाया गया। उनका दोपहिया वाहन पास में ही खड़ा था जिस पर रेनकोट टंगा था। मूलरूप से चित्रदुर्ग के निवासी नायक होसंगड़ी के सरकारी क्वार्टर्स में अपनी पत्नी और तीन बेटियों के साथ रहते थे। वह शिक्षा विभाग में वर्ष 2002 से सेवारत थे और वर्ष 2022 में पदोन्नति मिलने पर प्रधानाचार्य बने थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्राथमिक रिपोर्ट से पता चलता है कि नायक ने कई जगह से कर्जा ले रखा था जिनमें से एक कर्ज चिट फंड से लिया गया था।

पुत्तूर में छात्रा के गर्भवती होने का मामला, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

मंगलूरु/दक्षिण भारत । दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तूर में एक कॉलेज छात्रा के कथित यौन शोषण के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यौन शोषण के बाद छात्रा गर्भवती हो गई। पुलिस ने बताया कि मामले के मुख्य आरोपी कृष्णा जे राव (21) को चार जुलाई को मैसूरु जिले के टी. नरसीपुरा से गिरफ्तार किया गया और जांच के लिए मंगलूरु लाया गया। दक्षिण कन्नड़ महिला थाने से संबद्ध पुलिस ने बताया कि आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। यह मामला तब सामने आया जब मंगलूरु में पढ़ रही 21 वर्षीय छात्रा ने एक निजी अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। इस घटना के बाद पुत्तूर क्षेत्र में तनाव फैल गया और स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों और नेताओं ने रोष प्रकट किया। छात्रा ने बप्पालीगे निवासी कृष्ण जे राव के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार 24 जून को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(1) (दुष्कर्म) और 69 (धोखे से यौन संबंध बनाना) के तहत मामला दर्ज होने के बाद से राव फरार है।

मंगलूरु में युवती पर चाकू से हमला करने के बाद युवक ने की खुदकुशी

मंगलूरु/दक्षिण भारत । दक्षिण कन्नड़ जिले में एक युवक ने कथित रूप से शादी से इनकार करने पर 26 वर्षीय युवती पर चाकू से हमला कर दिया और बाद में अपनी जान दे दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार को बंटवाल ग्रामीण क्षेत्र के फरंगीपेट में सुजीर मल्ली के पास की है। उसके अनुसार फरंगीपेट की निवासी दिव्या उर्फ दीक्षित का कथित तौर पर कोडमन गांव के निवासी सुधीर (30) के साथ करीब आठ वर्षों तक प्रेम संबंध था हालांकि हाल में आपसी मतभेदों के कारण युवती ने रिश्ता खत्म कर दिया। पुलिस ने बताया कि रिश्ता खत्म करने के बावजूद सुधीर कथित तौर पर दिव्या से संपर्क करता रहा और उसका पीछा करता रहा। उसने कहा, सोमवार को सुधीर ने दिव्या से मुलाकात कर उस पर शादी करने का दबाव बनाया। इसको लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हो गयी और सुधीर ने दिव्या पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि घायल युवती बचने की कोशिश में कुछ दूर भागने के बाद गिर गई जिसके बाद उसे मरा समझकर सुधीर, दिव्या के किराए के मकान पर पहुंचा और फंदा लगाकर जान दे दी।

सोने लेकर फरार आचार्य को तीन किलो सोने के साथ किया गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जयनगर थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 3 किलो सोना और लगभग साढे आठ लाख रुपए बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार जयनगर के तीसरे ब्लॉक में विशाल बोहरा की सोने का शो रूम है। उनकी दुकान पर मनीष कुमार सोनी सोना ले जाकर आभूषण बनाकर दे रहे थे। मनीष सोनी गत चार साल से जयनगर फर्स्ट ब्लॉक में रह रहा था। कुछ दिनों पहले शो रूम से लगभग साढे आठ किलो सोना आभूषण बनाने के लिए मनीष सोनी लाया। बाद में वह सोने के साथ गायब हो गया। विशाल बोहरा की शिकायत पर पुलिस ने स्पेशल टीम बनाई और इसे गोवा से गिरफ्तार किया। पुलिस को इसके पास से लगभग 3 किलो सोना मिला वहीं पूछताछ के दौरान इसके एक अन्य मित्र से साढे आठ लाग रुपए बरामद किए गए। वहीं गिरिनगर पुलिस ने चेन छपटमार अच्युत्य (37) नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार करके उसके पास से 53 लाख रुपए मूल्य की सोने की चेन जब्त की हैं। इस चेन छपटमार ने बेंगलूरु के विभिन्न जगहों पर 180 से अधिक वारदात की बात कबूल की है। चेन झपटने के बाद वह चोरी के माल को हैदराबाद, पालघाट आदि जगहों पर जाकर बेच देता था।

विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय-क्षेत्रीय कार्यालय अनुसंधान एवं नवाचार फाउंडेशन एवं परीक्षा उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय को अनुसंधान एवं नवाचार फाउंडेशन एवं परीक्षा उत्कृष्टता केंद्र में परिवर्तित कर दिया गया है। इस क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन 10 जुलाई को सुबह 9.30 बजे बेंगलूरु के नगरभवन में होगा, जिसमें केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया मुख्य अतिथि होंगे। कौशल विकास एवं आजीविका मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वीटीयू) के कुलपति डॉ. एस. विद्याशंकर भी मौजूद रहेंगे। विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वीटीयू) ने बेंगलूरु स्थित अपने क्षेत्रीय कार्यालय को वीटीयू-वीआरआईएफ टीसीई हब एवं स्पोक ऑफ एक्सीलेंस में परिवर्तित कर दिया है। यह कार्यालय अनुसंधान और नवाचार, अगली पीढ़ी की तकनीक के लिए क्षमता निर्माण हेतु 1 लाख वर्ग फीट की विशाल सुविधा में स्थापित किया जाएगा। यह उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) वीटीयू, विश्वेश्वरैया अनुसंधान और नवाचार फाउंडेशन (वीआरआईएफ) और दूरसंचार उत्कृष्टता केंद्र (टीसीई) भारत के बीच एक रणनीतिक साझेदारी के रूप में काम करेगा।

कर्नाटक जल्द ही क्वांटम एक्शन प्लान का अनावरण करेगा : एनएस बोसराजू

क्वांटम इंडिया बेंगलूरु शिखर सम्मेलन 31 जुलाई और 1 अगस्त को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक को क्वांटम प्रौद्योगिकियों के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से एक बड़ी घोषणा में, लघु सिंचाई, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एन.एस. बोसराजू ने घोषणा की कि एक 'कर्नाटक क्वांटम एक्शन प्लान' तैयार किया जाएगा और बाद में मुख्यमंत्री द्वारा इसका अनावरण किया जाएगा। जवाहरलाल नेहरू प्लेनेटेरियम में आयोजित क्वांटम इंडिया बेंगलूरु 2025 कार्यक्रम के कर्टेन रेजर में बोलते हुए, मंत्री बोसराजू ने क्वांटम प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्र में कर्नाटक को अग्रणी बनाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में कर्नाटक की कांग्रेस सरकार राज्य को भारत की क्वांटम राजधानी के रूप में स्थापित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। आईटी और एयरोस्पेस की तरह, कर्नाटक क्वांटम डोमेन में भी अपनी मजबूत पहचान बनाने के लिए कमर कस रहा है। क्वांटम प्रौद्योगिकियां पहले से ही विभिन्न क्षेत्रों में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं, जो आर्थिक और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

उन्होंने कहा, भारत की नवाचार राजधानी होने के नाते, बेंगलूरु में पहले से ही क्वांटम उन्नति का समर्थन करने के लिए आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद है। इसी पृष्ठभूमि में 31 जुलाई और 1 अगस्त को क्वांटम इंडिया बेंगलूरु शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। विशेष रूप से, शिखर सम्मेलन में क्वांटम भौतिकी के दो नोबेल पुरस्कार विजेताओं - प्रो. डंकन हाल्डेन (नोबेल पुरस्कार 2016) और प्रो. डेविड ग्रॉस (नोबेल पुरस्कार 2004) द्वारा मुख्य भाषण दिए जाएंगे - जो भारत और कर्नाटक के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण होगा।

कर्नाटक ने अन्य राज्यों की तुलना में क्वांटम स्पेस में महत्वपूर्ण प्रगति की है। विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों, तकनीकी प्रतिभा और उन्नत औद्योगिक आधार की मौजूदगी कर्नाटक को एशिया का क्वांटम हब बनने की क्षमता प्रदान करती है। आगामी कर्नाटक क्वांटम एक्शन प्लान इस गति को और बढ़ाएगा।

मंत्री बोसराजू ने यह भी कहा कि कर्नाटक क्वांटम एक्शन प्लान तैयार करने के लिए इस क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञों से युक्त एक क्वांटम टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। क्वांटम इंडिया बेंगलूरु 2025 शिखर सम्मेलन 31 जुलाई और 1 अगस्त को आयोजित किया जाएगा, और इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार करेंगे।

उद्घाटन के दिन, 2016 के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर डंकन हाल्डेन मुख्य भाषण देंगे। दो दिनों तक चलने वाले इस शिखर सम्मेलन में निम्नलिखित विषयों पर गहन सत्र और विशेषज्ञ आदान-प्रदान होंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और एसएंडटी विभागों की प्रमुख सचिव डॉ. एकरूपा कौर; केएसटीईपीएस के निदेशक श्री सदाशिव प्रभु; शिखर सम्मेलन के निदेशक प्रोफेसर अरिंदम घोष; और शिखर सम्मेलन के सह-निदेशक प्रोफेसर अक्षय नाइक आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुलाकात

मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। उन्होंने कर्नाटक में लंबित सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी देने के संबंध में बातचीत की। इस अवसर पर केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना और अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता मौजूद थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक में कर्नाटक दो रक्षा गलियारों पर जोर देगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने मंगलवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ मिलकर राज्य के लिए दो रक्षा गलियारा परियोजनाओं को मंजूरी देने का अनुरोध करने के लिए नयी दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलेंगे। मुख्यमंत्री बुधवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी में सिंह से मिलने वाले हैं। पाटिल ने कहा कि एयरोस्पेस' और रक्षा क्षेत्र में देश के अग्रणी योगदानकर्ता के रूप में कर्नाटक दो रक्षा गलियारों का हकदार है जिनमें से एक कोलार-चिक्कबल्लापुरा क्षेत्र में और दूसरा हुब्बल्ली-बेलगावी क्षेत्र में होगा।

पाटिल ने कहा कि वह राजनाथ सिंह के साथ अपनी बैठक के दौरान यह अनुरोध करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि दक्षिण और उत्तर कर्नाटक में एक-एक गलियारे की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि एक्रस जैसी प्रमुख कंपनियां पहले से ही बेलगावी में काम कर रही हैं। पाटिल ने कहा कि जब तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश को रक्षा गलियारा आवंटित किया गया था तो कर्नाटक को भी रक्षा गलियारा दिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को भी इस चूक का एहसास है और राजनाथ सिंह ने खुद इसे स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट-इन्वेस्ट कर्नाटक 2025' में भागीदारी के दौरान राजनाथ सिंह से इस मामले पर चर्चा हुई थी।

पाटिल ने यह भी बताया कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अध्यक्ष ने हाल ही में उनसे मुलाकात की थी और भूमि संबंधी आवश्यकताओं के लिए सरकारी सहायता का आश्वासन दिया था। देश के 'एयरोस्पेस' और रक्षा क्षेत्र में कर्नाटक के 65 प्रतिशत योगदान पर प्रकाश डालते हुए पाटिल ने कहा कि इस क्षेत्र में राज्य राष्ट्रीय स्तर पर पहले और विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है। किसान प्रतिनिधि और संगठन प्रस्तावित पार्क के उद्देश्य से देवनहल्ली में उपजाऊ भूमि के अधिग्रहण से जुड़े कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) की अधिसूचना का विरोध कर रहे हैं।

सरकार का रुख स्पष्ट करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या 15 जुलाई को किसानों के प्रतिनिधियों से मिलेंगे। उन्होंने हाल ही में कानूनी बाधाओं का हवाला दिया था, क्योंकि अधिग्रहण के लिए अंतिम अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी थी। एक सवाल के जवाब में पाटिल ने अभिनेता प्रकाश राज से अन्य राज्यों में भी भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया, जैसा कि उन्होंने कर्नाटक में देवनहल्ली परियोजना को लेकर किया है। उन्होंने कहा, यहां देवनहल्ली में सरकार प्रस्तावित 'हाई-टेक एयरोस्पेस' और रक्षा पार्क के लिए सिर्फ 1,282 एकड़ जमीन का अधिग्रहण करने की योजना बना रही है। इसके विपरीत, पड़ोसी आंध्र प्रदेश ने इसी तरह की परियोजना के लिए मदकासिरा से पेनुकोंडा तक 10,000 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है और यह जमीन मुफ्त में देने की पेशकश कर रहा है।''

इसके अलावा उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने औद्योगिक उपयोग के लिए 45,000 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। उन्होंने कहा, ''यह व्यापक रूप से बताया गया है कि आंध्र प्रदेश ने इंफोसिस, कॉग्निजेंट और टीसीएस जैसी कंपनियों को सिर्फ 99 पैसे प्रति एकड़ की दर से जमीन आवंटित की है। क्या प्रकाश राज को ये घटनाक्रम नहीं दिखता?''

कर्नाटक में नेतृत्व पद पर बदलाव कोई मुद्दा नहीं, ऐसे निर्णय कांग्रेस आलाकमान लेता है : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस महासचिव एवं पार्टी के कर्नाटक मामलों के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाओं पर टिप्पणी करने से मंगलवार को इनकार कर दिया और कहा कि यह अब प्रासंगिक नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ऐसे निर्णय पार्टी आलाकमान लेता है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की नई दिल्ली यात्रा को लेकर लगाए जा रहे कयासों पर प्रतिक्रिया देते हुए सुरजेवाला ने स्पष्ट किया कि यह यात्रा आधिकारिक काम के लिए तथा राज्य का पक्ष और मांगें केंद्र सरकार के समक्ष रखने के लिए है। सिद्दरामय्या और शिवकुमार की दिल्ली यात्रा को कुछ लोग मुख्यमंत्री पद पर बदलाव की संभावना से जोड़ रहे हैं।

विधायकों द्वारा नेतृत्व परिवर्तन और आंतरिक मुद्दों पर खुलेआम बयानबाजी करने के बारे में पूछे गए सवाल के संबंध में सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (शिवकुमार) ने पहले ही इस पर गौर किया है। जहां तक नेतृत्व के मुद्दों का सवाल है, मैंने पिछले हफ्ते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री के साथ आपसे बात की थी। हमें उस मुद्दे पर जो कुछ भी कहना था, हम पहले ही कह चुके हैं।

पिछले सप्ताह सुरजेवाला ने कहा था कि नेतृत्व परिवर्तन के बारे में मीडिया में प्रसारित कोई भी खबर केवल कल्पना की उपज है, जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि नेतृत्व परिवर्तन जैसे मामलों पर निर्णय लेना पार्टी आलाकमान पर निर्भर है। मुख्यमंत्री पद पर परिवर्तन की अटकलों के बीच सिद्दरामय्या ने कहा था कि वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे।

शिवकुमार ने संकेत दिया कि उनके पास कोई विकल्प नहीं है और वह सिद्दरामय्या के साथ खड़े रहेंगे। राजनीतिक हलकों में, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में, पिछले कुछ समय से इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला दिया गया है।

शिवकुमार जहां केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करने के लिए पहले से ही दिल्ली में हैं, वहीं सिद्दरामय्या बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी जाएंगे और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से चर्चा करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस यात्रा के दौरान कांग्रेस नेतृत्व के साथ उनकी बैठक की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। उनके साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता भी उपस्थित थे।

येत्तिनाहोल परियोजना : डीके शिवकुमार ने वन भूमि परिवर्तन प्रस्ताव के लिए जल्द मंजूरी मांगी

बेंगलूरु/नई दिल्ली/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की और येत्तिनाहोल परियोजना के तहत संशोधित वन भूमि परिवर्तन प्रस्ताव को शीघ्र सैद्धांतिक मंजूरी देने का अनुरोध किया। इस परियोजना का उद्देश्य दक्षिण कर्नाटक के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति करना है। शिवकुमार ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर कहा, 'आज नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की और कर्नाटक में पर्यावरणीय मंजूरी के लिए लंबित प्रमुख परियोजनाओं पर चर्चा की।'

शिक्षा व्यक्तित्व विकास और राष्ट्रीय प्रगति का आधार है : राज्यपाल गहलोत

तुमकुरु/दक्षिण भारत । राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने कहा कि शिक्षा व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। इसलिए, शिक्षा को सबसे अच्छा और सबसे सुरक्षित धन कहा गया है। वे तुमकुर विश्वविद्यालय के 18वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा, शिक्षा एक अमूल्य संपत्ति है जिसे कोई चुरा नहीं सकता। समय के साथ धन, सामान और संपत्ति खत्म हो सकती है, लेकिन शिक्षा जीवन भर चलती है। यह व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है, उसे सोचने की शक्ति देती है और किसी भी परिस्थिति में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती है।

उन्होंने कहा, आज की दुनिया में हर दिन नए-नए आविष्कार और नई तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए युवाओं को आजीवन सीखने वाले के रूप में काम करना चाहिए।

आज जो तकनीक नई है, वह कल पुरानी हो जाएगी। 21वीं सदी की जरूरत है कि युवा खुद को डिजिटल साक्षरता, नवोन्मेषी सोच, वैश्विक दृष्टिकोण और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए तैयार करें। उन्होंने छात्रों से कहा, हमारा देश हजारों वर्षों से ज्ञान का दीप जला रहा है, वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, वास्तु, दर्शन, कानून, ये हमारी अनमोल विरासत हैं। नई शिक्षा नीति ने इन्हें फिर से शिक्षा प्रणाली में स्थान दिया है। आपके सामने नई चुनौतियां और अवसर होंगे। इस संस्थान से प्राप्त ज्ञान और कौशल से आप उन चुनौतियों का सामना करने और अवसरों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

एमएम हिल्स को बाघ अभयारण्य घोषित करने पर जनता की राय मांगी

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांड्रे ने मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एमएम हिल्स को बाघ अभयारण्य घोषित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं और निवासियों से परामर्श करने के बाद इस संबंध में प्रस्ताव पेश करें। यह निर्देश मंत्री की अध्यक्षता में प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन्यजीव वार्डन सहित वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद जारी किया गया। खांड्रे ने सभी हितधारकों के साथ बैठक कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड IREL (India) Limited
Formerly Indian Rare Earths Limited.
(भारत सरकार का उपक्रम)
(A Government of India Undertaking)
CIN : U15100MH1950GOI008187 Website : www.irel.co.in
ISO 9001: 2015, ISO 14001: 2015 & ISO 45001 : 2018 Company
आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदर्भ - विज्ञा 25-26/6 निविदा नोटिस दि. 03.07.2025 /Ref: ADVT.NO.25-26/6 TENDER NOTICE Date: 03.07.2025
IREL (India) Limited, Chavara invites Bid for the following items / job descriptions.

कार्य नं/Event No. (GeM)	काम/मद विवरण / Job / Item Description
GEM/2025/B/6411162	Removal of sand at spillway channel while widening / deepening and cutting pozhi mouth by using excavators, collection loading transportation and supply of mineral sand in tippers(rear dump trucks) from North side of Thottappally spillway channel and pozhi mouth site to the premises of IREL(India)Limited, Chavara and KMML, Sankaramangalam - Phase VI operations.

Bidder may download tender document from http://irel.co.in or http://gem.gov.in website. Any corrigendum / extension to above tenders shall be hosted in above websites only.
ह. प्रधान, चवरा / -Sd/- Head,Chavara
cbc 48139/12/0006/2525

चातुर्मास आध्यात्मिक जागृति और सामाजिक समरसता का पर्व है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, संयम और सामाजिक सद्भाव का विशेष काल है, जिसमें साधु-संत एक स्थान पर ठहरकर साधना, ध्यान और तपस्या करते हैं तथा समाज को नैतिक मूल्यों की शिक्षा देते हैं। राज्यपाल बागड़े मंगलवार को आध्यात्मिक चातुर्मास महोत्सव समिति भीलवाड़ा के तत्वावधान में सुभाष नगर स्थित जैन स्थानक में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आमजन को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि जैन धर्म जीवदया, अहिंसा और आत्मशुद्धि का प्रतीक है तथा चातुर्मास के माध्यम से इन मूल्यों को जनमानस तक पहुँचाया जाता है। उन्होंने कहा कि सच्चा साधु वही है जो समाज के कल्याण के लिए कार्य करता है और दूसरों के हित में किया गया कार्य ही सच्ची सिद्धि है। यह परंपरा भगवान महावीर के काल से चली आ रही है, जिसका उद्देश्य समाज में नैतिक जागरूकता और आध्यात्मिक चेतना जागृत करना है। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि चातुर्मास के दौरान दिए जाने वाले प्रवचन व्यक्ति के अंतर्मन को जागृत करते हैं और समाज में सकारात्मक सोच का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को मिटाने के अनेक प्रयास इतिहास में हुए, लेकिन इसकी गहराई और मूल्यों के कारण यह संस्कृति आज भी अक्षुण्ण बनी हुई है। राज्यपाल ने नवीन शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन पर बल देती है। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति के माध्यम से ऐसे शिक्षाविद तैयार होंगे, जो आधुनिक ज्ञान के साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत को भी आत्मसात करेंगे। राज्यपाल बागड़े ने मंच पर विराजित जैन साध्वियों से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके द्वारा समाज को दिए जा रहे आध्यात्मिक मार्गदर्शन की सराहना की।

सावन में फिर जोर पकड़ेगा राजस्थान में मानसून

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून अभी एक दो दिन कमजोर रहेगा, लेकिन इसके सावन की शुरुआत में फिर जोर पकड़ने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार 10 जुलाई से राज्य के कई जिलों में फिर भारी बारिश होने का अनुमान है। इसके अनुसार मंगलवार को भरतपुर, कोटा, जयपुर, उदयपुर व बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने तथा शेष ज्यादातर स्थानों पर मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में 10 जुलाई से जबकि पश्चिमी राजस्थान में 12 जुलाई से भारी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की पूरी उम्मीद है। इसने बताया कि 10 जुलाई को कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश व 11-12 जुलाई को कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर तथा उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी व अतिभारी बारिश हो सकती है। पंचाग के अनुसार इस साल सावन 11 जुलाई से लग रहा है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर संभाग में आगामी तीन से चार दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने तथा बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। आईएमडी ने बताया कि 12 जुलाई से पश्चिमी राजस्थान में भी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी। इसने बताया कि मंगलवार सुबह तक पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान राज्य में कहीं कहीं हल्की से मध्यम व एक से दो स्थानों पर भारी बारिश हुई। इसने बताया कि सर्वाधिक 103 मिलीमीटर बारिश विजयनगर (अजमेर) में दर्ज की गई और इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाउ लाल वैष्णव का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाउ लाल वैष्णव का मंगलवार को यहां निधन हो गया। वह करीब 81 वर्ष के थे। वह पिछले कुछ दिनों से गंभीर रूप से बीमार थे और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर में भर्ती थे। एम्स सूत्रों के अनुसार दाउ लाल वैष्णव ने मंगलवार पूर्वाह्न 11:52 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा, केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई नेताओं ने गहरा शोक प्रकट किया है।

बागड़े ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इसी तरह शर्मा ने दुख जताते हुए कहा कि अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊ लाल वैष्णव के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त उनके परिजनों के साथ है। ईश्वर दिवगंत की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें। देवनानी ने अपने शोक संदेश में कहा कि दाऊ लाल वैष्णव एक सरल एवं मूल्यनिष्ठ जीवन जीने वाले आदर्श व्यक्ति थे। उनका जीवन सादगी, सेवा और संस्कारों का प्रतीक था। उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। वह एक अनुभवी वकील और आयकर सलाहकार थे, जिन्होंने कई वर्षों तक जोधपुर में प्रैक्टिस की। उनका मुख्य पेशा कानूनी सेवाएं और कर परामर्श देना था। अपने पेशेवर करियर के अलावा, उन्होंने अपने पैतृक गांव, जीवंद कला में सरपंच का पद भी संभाला, जो उनके मज़बूत नेतृत्व और जमीनी स्तर के शासन से जुड़ाव को दर्शाता है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति देने की ईश्वर से कामना की।

शेखावत ने अश्विनी वैष्णव के पिता दाउ लाल के निधन के समाचार को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा दाउ लाल वैष्णव एक सरल और कर्मनिष्ठ व्यक्ति थे। मुझे हमेशा उनसे पितृवत स्नेह मिला है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और अश्विनी वैष्णव और उनके परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति मिले। गहलोत ने भी ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति एवं परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना की। इसी प्रकार अन्य कई नेताओं ने दाउलाल वैष्णव के निधन पर दुख प्रकट किया है।

हमारी सरकार गरीब को गणेश मानकर कर रही सेवा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण को समर्पित है और इसी भावना के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीब, किसान, युवा एवं महिला इन चारों जातियों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेंगे जिससे उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान की परिकल्पना को गति मिलेगी।

शर्मा मंगलवार को चूरू में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चूरू अपनी अनूठी स्थापत्य कला और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। साथ ही, तालछापर अभयारण्य के काले हिरण और प्रवासी पक्षियों का कलरव प्रकृति प्रेमियों को एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। यहां की कलात्मक हवेलियां, भित्तिचित्र और अन्य ऐतिहासिक धरोहर चूरू के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास से रूबरू कराती हैं।

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों में रास्तों से अतिक्रमण हटाने, भूमि के स्वामित्व मिलने जैसे बरसों से लंबित काम पूरे हो रहे हैं। साथ ही, शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत 10 हजार गांवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को पौध वितरण, मृदा नमूनों के संग्रहण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, पशुपालकों को मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी इन शिविरों में किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आए हैं। उनके द्वारा शुरू की गई गरीब कल्याण की योजनाओं से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का उत्थान हो रहा है। साथ ही, उनके कुशल मार्गदर्शन में देश में अभूतपूर्व विकास कार्य के साथ-साथ आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशानुसार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास की अवधारणा पर राज्य सरकार कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार को गरीब के हित से कोई सरोकार नहीं था जबकि हम गरीब को गणेश मानकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहे हैं। किसानों को हमारी सरकार गोपाल क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। वहीं, महिलाओं को लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मेधावी छात्राओं को साइकिल वितरण, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना, मा वाउचर सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सशक्त किया जा रहा है। युवाओं को हम पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां देंगे। उन्होंने कहा कि हमने शेखावाटी में यमुना जल लाने के लिए यमुना जल समझौते के लिए हरियाणा सरकार के साथ मिलकर टास्क फोर्स गठित की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने केवल डेढ साल में ही प्रदेश के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं जोकि पूर्ववर्ती सरकार के पूरे 5 साल से भी ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डेढ़ साल में ही विद्युत उत्पादन क्षमता में 4 हजार 270 मेगावाट की बढ़ोतरी की जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे पांच साल में केवल 3 हजार 948 मेगावाट की बढ़ोतरी दर्ज की। इसी तरह, हमने डेढ़ साल में किसानों को 253 लाख मीटर से अधिक तारबंदी के लिए अनुदान दिया तथा 32 हजार से अधिक फार्म पौंड बनवाए हैं। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में केवल 113 लाख मीटर तारबंदी के लिए अनुदान दिया तथा केवल 29 हजार पौंड बनवाए। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ साल में 55 पशु चिकित्सालयों का प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नयन हुआ तथा पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे कार्यकाल में केवल 49 का ही क्रमोन्नयन किया। शर्मा ने कहा कि चूरू जिले के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए हमारी सरकार ने बजट में 834 करोड़ रुपये का प्रावधान किया तथा चूरू विधानसभा में 300 करोड़ रुपये के काम हो रहे हैं।

राजस्थान में अपराधियों और भ्रष्टाचार पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को इस ओर ध्यान देते हुए जनता को बेहतर शासन देना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि प्रशासन में जनता का विश्वास पूरी तरह से खत्म होने से पहले तत्काल कार्रवाई की जाए।

गहलोत ने दौसा से कांग्रेस विधायक दीनदयाल बैरवा के यहां चोरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा, विधायक कह रहे हैं कि उनके घर पर तीन बार चोरी हो चुकी है। एक प्रमुख अखबार ने इसे पहले पन्ने पर छापा है। आप कल्पना कर सकते हैं कि राज्य में अन्य लोगों की स्थिति कैसी होगी। कोई भी सुनने वाला नहीं है। गहलोत ने कांग्रेस की दिवंगत नेता गिरिजा व्यास की जयंती के अवसर पर यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं से यह बात कही।

उन्होंने कहा, प्रदेश के गांवों और जिलों में भी सुनवाई नहीं हो रही है। गुंडागर्दी है, माफिया हावी हैं और लोगों को पता ही नहीं है कि शिकायत कहां करें। शिकायत करने की पूरी प्रणाली ही ध्वस्त हो गयी है। गहलोत ने रेत माफियाओं की बढ़ती ताकत पर भी चिंता व्यक्त की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा, मैंने पहले भी कहा है कि बजरी के व्यापार पर माफिया का कब्जा हो गया है। बजरी अब बहुत महंगी हो गई है। पुलिस पर हमले हो रहे हैं। इतनी घटनाएं हो रही हैं और इस पर कोई नियंत्रण नहीं है। गहलोत ने गरीबों के लिए स्वास्थ्य बीमा के मामले में सरकार की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा, तकनीकी रूप से 25 लाख रुपये का बीमा कवर अभी भी मौजूद है, लेकिन लोगों को यह विश्वास दिलाया गया है कि इसे घटाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है। यह सरकार की सबसे बड़ी विफलता है। गहलोत ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) को कमजोर करने पर भी अफसोस जताया। उन्होंने कहा, आरजीएचएस कर्मचारियों के लिए एक बेहतरीन योजना थी। अब यह योजना ध्वस्त हो चुकी है और कर्मचारी नाखुश हैं। गहलोत ने मुख्यमंत्री से विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों की पुष्टि के लिए राज्य की खुफिया सेवाओं का उपयोग करने का आग्रह किया।

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रचार के लिए प्रशासन की उपेक्षा की जा रही है। गहलोत ने कहा, घूमना अच्छी बात है, अगर दौरे करते हैं मैं उसको बुरा नहीं मानता। लेकिन आपको शासन भी करना होगा। मुख्यमंत्री के पास बहुत अधिकार हैं। उन्हें उस शक्ति का उपयोग करना होगा। गहलोत ने कहा, हम सार्वजनिक संपत्ति हैं। जनता को हमसे किसी भी समय शिकायत करने का अधिकार होना चाहिए, अन्यथा आपकी छवि खराब होगी और आप शासन चलाने में विफल रहेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा, विपक्ष आपका दुश्मन नहीं है। जब हम बोलते हैं वह आपको आगाह करने के लिए होता है कि ये हो रहा है। आपको इसे गंभीरता से लेना चाहिए। यह आपके हित में भी है।

भाषा विवाद पर राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने महाराष्ट्र के सीएम को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरोही। पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने महाराष्ट्र के भायंदर क्षेत्र में राजस्थानी मूल के एक प्रवासी नागरिक के साथ हुई मारपीट और दुर्व्यवहार की घटना को गंभीर और चिंताजनक बताया है। इस मामले में उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। देवासी ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि भायंदर में एक व्यक्ति को केवल इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह मराठी भाषा में वार्तालाप नहीं कर सका। उन्होंने इसे न केवल अमानवीय और असंवैधानिक करार दिया, बल्कि यह भी कहा कि ऐसा कृत्य देश की एकता और भाषायी समरसता को गहरा आघात पहुंचाता है। राज्यमंत्री ने बताया कि

इस घटना के बाद महाराष्ट्र में निवास कर रहे कई राजस्थानी प्रवासियों ने चिंता, पीड़ा और असुरक्षा की भावना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान मूल के नागरिक लंबे समय से महाराष्ट्र में व्यापार, उद्योग और सामाजिक सौहार्द में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने अपने पत्र में महाराष्ट्र सरकार से चार ठोस मांगें की हैं। इसमें निष्पक्ष और त्वरित जांच के साथ दोषियों पर कड़ी कार्रवाई, प्रवासी नागरिकों की सुरक्षा और भाषा के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकने के लिए प्रशासन को विशेष निर्देश देने की मांग शामिल है। राज्यमंत्री ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे प्रवासी समुदाय की गरिमा और सम्मान से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से आग्रह किया कि वह संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई करते हुए राष्ट्र की एकता को सुदृढ़ बनाए। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि महाराष्ट्र सरकार इस घटना को गंभीरता से लेते हुए ठोस और सकारात्मक कदम उठाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न दोहराई जाएं।

कई चोरियों से 'दुखी' हुए दौसा से कांग्रेस विधायक बैरवा

जयपुर। राजस्थान के दौसा से कांग्रेस के निर्वाचित विधायक दीन दयाल बैरवा अपने यहां हुई कई कथति चोरियों से 'दुखी' हो गए हैं। एक महीने से भी कम समय में उनके मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल के बाद अब उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली कथित तौर पर चोरी हो गई है। बैरवा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, दौसा में चोरों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस नाम की रह गई हैं। 11 जून को मेरा मोबाइल चोरी होना, मेरे निजी निवास से 14 जून को मोटर साइकिल व आज रात को ट्रैक्टर-ट्रॉली का चोरी होना अपने आप में कानून व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह है? मेरा निवेदन है कि पुलिस जल्द कार्यवाही करे। दरअसल विधायक की परेशानी 11 जून को शुरू हुई, जब दौसा में पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित एक प्रार्थना सभा के दौरान बैरवा का मोबाइल फोन चोरी हो गया। उन्होंने सोमवार को कहा, इससे पहले मेरे घर से एक कील भी नहीं चोरी हुई थी। और अब ये तीन लगातार चोरियां हो गई हैं।

दौसा के पुलिस अधीक्षक सागर ने कहा, अभी तक हमें ट्रैक्टर-ट्रॉली की चोरी के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। मोबाइल फोन के लिए, हमें शिकायत मिली थी और प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बैरवा ने कहा कि उन्होंने आज सुबह पुलिस अधीक्षक से बात की जिन्होंने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया। कांग्रेस पार्टी ने इस मामले के हवाले से राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पाटी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा है।

रीट अभ्यर्थियों ने अव्यवस्थाओं को लेकर प्रिंसिपल का किया घेराव, प्रमाण पत्र वितरण को लेकर भड़के

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर शहर के सबसे बड़े फतह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में उस समय हंगामा हो गया जब रीट परीक्षा पास कर चुके युवक-युवतियों को प्रमाण पत्र लेने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे अभ्यर्थियों ने स्कूल प्रशासन पर अव्यवस्था का आरोप लगाते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और स्कूल प्रिंसिपल का घेराव कर नाराजगी जताई।

अभ्यर्थियों ने बताया कि वे सभी राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (ठएएढ) उत्तीर्ण कर चुके हैं और प्रदेशभर के सरकारी विद्यालयों में रीट पात्रता प्रमाण पत्र वितरण किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में वे फतह स्कूल पहुंचे थे, जहां प्रमाण पत्र वितरण की सूचना सुबह 10:30 से एक बजे तक की दी गई थी। लेकिन जब वे स्कूल पहुंचे तो सभी काउंटर बंद मिले और किसी प्रकार का कोई स्टाफ भी मौजूद नहीं था।

जलालुद्दीन की गतिविधियां न केवल समाज विरोधी हैं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि धर्मांतरण गिरोह के मुख्य षड्यंत्रकारी जलालुद्दीन की गतिविधियां न केवल समाज विरोधी हैं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

धर्मांतरण गिरोह के मुख्य षड्यंत्रकारी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की गिरफ्तारी के बाद, आदित्यनाथ ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जलालुद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं।'' उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक उदाहरण बने।

उप्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने शनिवार को धर्म परिवर्तन गिरोह के कथित मुख्य षड्यंत्रकारी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को उसके सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया था। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और सह आरोपी नीतू उर्फ नसरीन बलरामपुर जिले के मधपुर के रहने वाले हैं।

रथयात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ के पुरी मंदिर लौटने पर ओडिशा में मनाया गया 'रसगुल्ला दिवस'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में मंगलवार को रसगुल्ला दिवस मनाया गया, जो वार्षिक रथ यात्रा के बाद भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के मंदिर में अपने निवास स्थान पर लौटने का प्रतीक है। रसगुल्ला दिवस 'नीलाद्रि बिजे' पर मनाया जाता है, जो देवताओं के मंदिर में लौटने की रस्म है और इस दिन उन्हें औपचारिक रूप से मिठाई चढ़ाई जाती है।

राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा, ''नीलाद्रि बिजे और रसगुल्ला दिवस के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं और ओडिशा के निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। नीलाद्रि बिजे और रसगुल्ला दिवस ओडिया संस्कृति, भक्ति और गौरव का जीवंत प्रतिबिंब है। इस पवित्र परंपरा पर सभी को भगवान का आशीर्वाद मिले। जय जगन्नाथ।''

नीलाद्रि बिजे को 2015 से रसगुल्ला दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। शोधकर्ता असित मोहंती ने कहा, ''प्रारंभिक दिनों में मंदिर में इस मिठाई को 'खीर मोहन' के नाम से जाना जाता था। यह रसगुल्ले के समान ही है।हमारा रसगुल्ला बंगाल के रसगुल्ले से बिलकुल अलग है। बंगाल का रसगुल्ला 1868 में अस्तित्व में आया, जबकि यहां इस मिठाई की शुरुआत करीब 500 साल पहले हुई थी। बलराम दास द्वारा लिखित दानी रामायण में रसगुल्ले का उल्लेख है।'' मोहंती ने रसगुल्ले की उत्पत्ति का पुरी मंदिर से संबंध का पता लगाने के लिए साक्ष्य जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

युवा आबादी को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए

नीतीश कुमार ने बिहार युवा आयोग की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को राज्य के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिहार युवा आयोग गठित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे ''राज्य में रोजगार के अवसरों की कमी'' के आरोपों के बीच, विधानसभा चुनाव से कुछ महीनों पहले यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने ''एक्स'' पर पोस्ट किया,''मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा उन्हें सशक्त एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है।'' उन्होंने कहा,''यह आयोग समाज में युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह युवाओं के लिए बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ समन्वय भी करेगा।'' कुमार ने कहा कि इस ''दूरदर्शी पहल'' का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर, कुशल और रोजगारपरक बनाना है ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्होंने बताया कि बिहार युवा आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे जिनकी अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष होगी।

उन्होंने बताया कि, यह आयोग इस बात की निगरानी करेगा और सुनिश्चित करेगा कि राज्य के युवाओं को राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगार में प्राथमिकता दी जाए, साथ ही राज्य के बाहर अध्ययन और कार्य करने वाले युवाओं के हितों की भी रक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकने के लिए कार्यक्रम तैयार करना तथा ऐसे मामलों पर सरकार को सिफारिशें देना भी इसका महत्वपूर्ण कार्य होगा। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वह राज्य के युवाओं के लिए 19 जुलाई को यहां रोजगार मेला आयोजित करेगी।

ओडिशा में चालक संघों की हड़ताल से परिवहन व्यवस्था प्रभावित

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में बस, ट्रक और अन्य वाहनों के चालकों के एक संघ ने मंगलवार को पेंशन और विश्राम शेड जैसी मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी जिससे राज्य के कई हिस्सों में निजी बस सेवाएं प्रभावित हुईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'ओडिशा ड्राइवर्स महासंघ' के बैनर तले हजारों बस, ट्रक, वैन, टैक्सी, ऑटो-रिक्शा और अन्य वाणिज्यिक वाहनों के चालकों ने अपनी मांगों को लेकर काम रोक दिया।

संघ नेता ने बताया कि वाहन चालक ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में धरना दे रहे हैं। चालकों के विरोध प्रदर्शन के कारण राज्य के कई हिस्सों में निजी बस सेवाएं प्रभावित हुई हैं। भुवनेश्वर, कटक, बालासोर, राउरकेला, ब्रह्मपुर और बलांगीर में बस स्टैंड पर यात्रियों को इंतजार करते देखा गया।

संघ के कोषाध्यक्ष आदित्य प्रसाद बेहरा ने कहा कि वे उन चालकों के लिए पेंशन की मांग कर रहे हैं जो 60 वर्ष की आयु के बाद वाहन नहीं चला सकते। उन्होंने कहा कि संघ दुर्घटना के बाद कार्य करने में असमर्थ चालकों को मुआवजा, प्रमुख सड़कों पर हर 100 किलोमीटर पर विश्राम शेड की सुविधा देने की मांग कर रहा है।

वियतनाम के राजदूत ममता बनर्जी से मिले, व्यापार पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत में वियतनाम के राजदूत गुएन थान हेई ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की और व्यापार एवं द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।

एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि राज्य सचिवालय में हुई इस मुलाकात में वियतनाम और पश्चिम बंगाल के बीच व्यापक और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए भी चर्चा हुई। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''विभिन्न क्षेत्रों में वियतनाम और पश्चिम बंगाल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मुख्य रूप से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बंगाल वैश्विक कारोबार शिखर सम्मेलन का हिस्सा बनने के लिए स्वागत भी किया।'' उन्होंने कहा कि बैठक में पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत भी मौजूद थे। वियतनाम के मुंबई स्थित महावाणिज्यदूत ली क्वांग बिएन और दिल्ली में वियतनामी दूतावास के काउंसलर ट्रान थान तुंग भी बैठक में मौजूद रहे।

काफिले की गाड़ियों के आपस में टकराने से उप्र की मंत्री गुलाब देवी घायल

हापुड़/भाषा। उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी मंगलवार को हापुड़ जिले के पिलखुवा क्षेत्र में दिल्ली से अमरोहा जाते वक्त उस समय घायल हो गयीं जब उनकी कार काफिले के एक अन्य वाहन से टकरा गयी। इस घटना में मंत्री समेत दो लोग घायल हुए हैं। उन्हें रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार चालकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी दिल्ली से अमरोहा जा रही थीं और रास्ते में छिजारसी चौकी के पास उनकी कार काफिले में आगे चल रही गाड़ी से टकरा गयी। पुलिस के अनुसार इस दुर्घटना में गुलाब देवी को हल्की चोटें आयी हैं। इस घटना में उनगाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। उसने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मंत्री को दूसरी गाड़ी से रामा अस्पताल भेजा गया। उपचार के बाद उनका काफिला अमरोहा रवाना हो गया। पुलिस ने सम्बन्धित कार चालकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानन्जय सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और मंत्री गुलाब देवी का हालचाल जाना। घटना की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सटीक मतदाता सूची अपरिहार्य है : ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों के हमले के बीच मंगलवार को कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सटीक मतदाता सूची अपरिहार्य है। कुमार ने यहां एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में बूथ स्तर के अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

सीईसी ने कहा कि मतदाता सूची का सटीक होना लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपरिहार्य है। विपक्ष ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग पर हमले तेज कर दिए हैं। विपक्ष का कहना है कि इस कवायद से करोड़ों मतदाता मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

वापसी को तैयार जसप्रीत बुमराह ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया।

कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे। तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा।

बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच खेलने वाले सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं।

सिक्किम में सार्वजनिक स्थलों पर बनाए गए 'स्तनपान पॉड', महिलाओं के लिए बड़ी राहत

गंगटोक/भाषा। सिक्किम में राज्य सरकार की एक पहल से बड़ी संख्या में महिलाओं को राहत मिली हैं क्योंकि वे अब भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर एक साफ-सुथरी, सुरक्षित और निजी जगह में अपने बच्चों को स्तनपान करा पा रही हैं।

राज्य के महिला, बाल, वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग कल्याण एवं विकास विभाग ने इस हिमालयी राज्य के कुल छह जिलों में से पांच जिलों के बड़े बाजारों में छह 'स्तनपान पॉड' स्थापित किए हैं और छठे जिले में भी इसी तरह की सुविधाएं स्थापित करने की योजना है।

'स्तनपान पॉड' एक नवीनतम पहल है। ये ऐसे निजी स्थान होते हैं, जिन्हें सार्वजनिक स्थलों और कार्यस्थलों पर स्तनपान कराने वाली माताओं की सहायता के लिए बनाया गया है। ये सुविधाएं उन्हें एक आरामदायक और सुरक्षित वातावरण प्रदान करती हैं जहां वे अपने बच्चों को स्तनपान करा सकें या थोड़ी देर विश्राम कर सकें।

खेल मंत्री मांडविया ने अस्मिता भारोत्तोलन लीग का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोदीनगर/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को भारोत्तोलन के साथ शुरू हुई अस्मिता लीग के 2025 सत्र का उद्घाटन किया। भारोत्तोलन वारियर्स अकादमी में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता में 42 लड़कियां आठ वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

मांडविया ने कहा, ''हमारा मिशन हर स्तर पर अवसर पैदा करना और फिर प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें तैयार करना है। मैं देख रहा हूं कि यहां आए इन बच्चों की आंखों में कुछ कर गुजरने की ललक है। मुझे यकीन है कि हम एक और मीराबाई चानू ढूंढने में सक्षम होंगे। मीराबाई चानू से बेहतर आदर्श कोई नहीं हो सकता।'' चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अस्मिता (महिलाओं को प्रेरित करके खेल उपलब्धि हासिल करना) में 15 खेलों में 852 लीग की योजना बनाई गई है जो लीग और प्रतियोगिता के माध्यम से महिलाओं के बीच खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया के लिंग तटस्थ मिशन का एक हिस्सा है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली लीग में 70 हजार से अधिक महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। पिछले सत्र में 27 खेलों में 550 लीग का आयोजन किया गया था जिसमें 53,101 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया था। मांडविया ने कहा, ''हम भारत के हर कोने तक पहुंचने और महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि अब हमारे पास आपके आगे बढ़ने और चमकने का एक रास्ता है। हमारी खेलो भारत नीति (खेल नीति) को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ मिलकर हम स्कूली खेलों को बहुत बढ़ावा दे रहे हैं।''

खेल एवं युवा मामलों की राज्य मंत्री रक्षा खडसे और टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू उद्घाटन समारोह में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थीं। अस्मिता हमारे मजबूत खेल कार्यक्रम का एक बड़ा स्तंभ है। महिलाओं ने खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है और उनके लिए कोई सीमा नहीं है। बच्चों के इरादों को विकसित करने की जरूरत है। चानू ने कहा कि 2021 में शुरू हुई अस्मिता लीग खेलों में महिलाओं के लिए बहुत बड़ा वरदान रही है। सिर्फ महिलाओं के लिए एक योजना बहुत बड़ी बात है। पहले ऐसा नहीं था। खिलाड़ियों के लिए यह बहुत बड़ी बात है। अब हर किसी के पास यह विजन है कि इसे उच्चतम स्तर तक कैसे पहुंचाया जाए।

सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शित करने के आरोप में जमशेदपुर के तीन लोग गिरफ्तार

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के जमशेदपुर में सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शित करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बचन देव कुजूर ने बताया कि हथियारों के साथ तीनों की तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के तुरंत बाद आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के लिए एक टीम गठित की गई।

डीएसपी ने बताया कि आरोपियों को ओलिडीह इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया, ''पूछताछ के दौरान उनसे मिली जानकारी के आधार पर, फोटो में दिखाए गए दो देशी पिस्तौल बरामद कर लिये गए।'' पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान ऋतेश सिंह, अशोक गुप्ता और राज कुमार मुखिया उर्फ राज बच्चा के रूप में हुई है।

नशा विरोधी अभियान

हरिद्वार से चंडीगढ़ तक बग्घी खींचेंगे पहलवान रवींद्र तोमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। हरियाणा के जींद निवासी पहलवान रवींद्र तोमर नशे के खिलाफ अपने अभियान के तहत एक अनोखी कांवड़ पर अपने हाथों से बग्घी खींचते हुए सहारनपुर पहुंचे।

सहारनपुर में कांवड़ यात्रा मार्ग से गुजरते हुए लोगों का ध्यान जब अपने हाथों से बग्घी खींचते पहलवान रवींद्र तोमर पर पड़ा तो उनमें से कई लोग रुक कर उन्हें देखने लगे और कुछ ने आगे बढ़कर उनके साथ सेल्फी ली। तोमर नशे की लत के खिलाफ एक असरदार संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं।

तोमर 20 जून को अपने गांव सफीदो से नशे के खिलाफ जागरुकता फैलाने के संकल्प के साथ निकले थे। हरिद्वार में गंगा नदी से पवित्र जल एकत्र करने के बाद अब वह चंडीगढ़ जा रहे हैं। वहां उनकी योजना 23 जुलाई को महाशिवरात्रि के दिन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पवित्र जल से स्नान कराने की है। तोमर ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें हरियाणा में मुख्यमंत्री के नशा विरोधी अभियान से प्रेरणा मिली। मुख्यमंत्री के प्रयासों से 700 गांव नशा मुक्त हो गए हैं।

उन्होंने कहा, ''यह मुख्यमंत्री को उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देने का मेरा तरीका है। मैं चंडीगढ़ में उनके आवास पर जाऊंगा और उनसे अनुरोध करूंगा कि वे इस अभियान के समर्थन में प्रतीकात्मक रूप से गंगा जल से स्नान करें।'' तोमर ने कहा कि उनका यह मिशन बेहद निजी है।

पहली बार आईपीएल खिताब जीतकर सबसे कीमती आईपीएल फ्रेंचाइजी बनी आरसीबी : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। आईपीएल खिताब के 17 साल के सूखे के अंत से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) का मूल्यांकन बढ़कर 26 करोड़ 90 लाख डॉलर हो गया जिससे यह फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पछाड़कर मूल्यांकन के मामले में शीर्ष पर पहुंच गई है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया।

एक निवेश बैंक हुलिहान लोके की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा संचालित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मूल्यांकन 13.8 प्रतिशत बढ़कर तीन अरब 90 करोड़ डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक व्यवसाय के रूप में आईपीएल का मूल्य 12.9 प्रतिशत बढ़कर 18 अरब 50 करोड़ डॉलर हो गया है। अंबानी परिवार द्वारा संचालित मुंबई इंडियन्स का मूल्यांकन 24 करोड़ 20 लाख डॉलर तक बढ़ गया है जिससे यह दूसरी सबसे कीमती फ्रेंचाइजी बन गई है। निराशाजनक सत्र के बाद इंडिया सीमेंट्स के एन श्रीनिवासन के स्वामित्व वाला सीएसके एक साल पहले के शीर्ष स्थान से 2025 में तीसरे नंबर पर खिसक गया। इस फ्रेंचाइजी का ब्रांड मूल्य 23 करोड़ 50 लाख डॉलर है। शाहरुख खान की कोलकाता नाइट राइडर्स 22 करोड़ 70 लाख डॉलर के साथ ब्रांड मूल्य के मामले में चौथे स्थान पर है जबकि सनराइजर्स हैदराबाद 15 करोड़ 40 लाख डॉलर के मूल्यांकन के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

अब भी मेरा लक्ष्य 90 किग्रा वजन उठाना : मीराबाई चानू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोदीनगर/भाषा। मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में लगभग हर उपलब्धि हासिल की है लेकिन टोक्यो ओलंपिक की यह रजत पदक विजेता अब भी स्नैच में 90 किग्रा वजन उठाने के अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई है।

चोटों ने उनके पिछले ओलंपिक चक्र को बाधित किया था और इस पूर्व विश्व चैंपियन ने पेरिस ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रहने के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है। हालांकि तकनीक में हाल ही में किए गए बदलाव ने लक्ष्य को हासिल करने के उनके भरोसे को फिर जगा दिया है। अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के इतर पीटीआई द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में चानू ने कहा, ''मेरा लक्ष्य अब भी 90 किग्रा है। मैं (2026) एशियाई खेलों में पूरी ताकत से प्रतिस्पर्धा करूंगी।'' मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 2019 से 90 किग्रा को लक्ष्य बनाया है लेकिन ट्रेनिंग के दौरान इस बाधा को पार करने के बावजूद वह प्रतियोगिता में उस सफलता को दोहराने में नाकाम रहीं हैं।

स्नैच की तकनीक में बदलाव किया

चानू ने कहा, ''2026 एशियाई खेलों से पहले मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी, जहां हम यह भी आकलन करेंगे कि 48 किग्रा वर्ग में बेहतर होने के लिए मुझे क्या करना है।'' उन्होंने कहा, ''यह सब हमें विश्व चैंपियनशिप में पता चलेगा लेकिन स्नैच में 90 किग्रा को पार करने की योजना है। यहां तक कि जूनियर भी अब 90 किग्रा को पार कर चुके हैं। हाल ही में चीन के एक जूनियर खिलाड़ी ने यह वजन उठाया।'' क्लीन एवं जर्क चानू का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन पेरिस ओलंपिक में उन्हें इसमें निराशा हाथ लगी। वह अपने पहले प्रयास में 111 किग्रा और अपने अंतिम प्रयास में 114 किग्रा उठाने में विफल रहीं जिससे वह ओलंपिक में दूसरे पदक से केवल एक किग्रा से चूक गईं।

क्लीन एवं जर्क में चानू ने 119 किग्रा उठाकर एक बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन चानू को पेरिस में अपने स्नैच प्रदर्शन से प्रेरणा मिलती है जहां उन्होंने 88 किग्रा के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। चानू ने कहा, ''मेरे स्नैच में प्रदर्शन में सुधार हुआ है। पहले मैं 88-89 किग्रा नहीं उठा पाती थी लेकिन ओलंपिक में मैंने 88 किग्रा उठाया।''

चानू भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर स्नैच में अपने प्रदर्शन में सुधार पर काम कर रही हैं। उनका मानना है कि यह हमेशा से उनकी कमजोरी रहा है।

सुविचार

राधा की आँखों में कृष्ण की धड़कन, हर प्रेमी के दिल में ये सजीव उपवन।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्मांतरण का मायाजाल

उत्तर प्रदेश पुलिस ने धर्म परिवर्तन गिरोह के एक मास्टरमाइंड के खिलाफ कार्रवाई कर सख्त संदेश दिया है। इससे उन लोगों में कुछ भय होगा, जो बहला-फुसलाकर, लालच देकर और डर-धमका कर धर्मांतरण कराते हैं। छांगुर बाबा नामक उक्त शख्स के निशाने पर कई लड़कियां बताई जा रही हैं। आज कई परिवारों का यह हाल है कि माता-पिता दोनों कामकाजी हैं, जिनके पास अपने बच्चों, खासकर बेटियों से बातचीत करने के लिए समय ही नहीं है। उन्हें लगता है कि अच्छे स्कूल-कॉलेज में दाखिला करवा दिया, भोजन-वस्त्र-आवास की सुविधा दे दी, अच्छा मोबाइल फोन और लैपटॉप लाकर दे दिया, तो उनका फर्ज पूरा हो गया! कई घरों में तो हफ्तों या महीनों बीत जाते हैं, लेकिन माता-पिता और बच्चे बैठकर कभी बातें नहीं करते। अगर करते हैं तो सिर्फ पढ़ाई, परीक्षा, नौकरी आदि पर! अपने धार्मिक संस्कारों का जिक्र तक नहीं होता। बहुत कम परिवार ऐसे हैं, जिनमें नियमित रूप से किसी धार्मिक विषय पर चर्चा होती है। पिछले कुछ दशकों में यह भ्रम बहुत जोर-शोर से फैलाया गया है कि जो परिवार धर्म से जितना दूर रहता है, वह उतना ही प्रगतिशील होता है। हालांकि जिन्हें अपने धर्म का कोई ज्ञान नहीं होता या नाममात्र की जानकारी होती है, धर्मांतरण कराने वाले गिरोह उन्हें आसानी से शिकार बना सकते हैं। वे चरणबद्ध ढंग से अपनी बात आगे बढ़ाते हैं। सबसे पहले बहुत आत्मीयता के साथ स्वागत करते हैं, घर-परिवार के बारे में जानकारी जुटाते हैं। अगर कोई व्यक्ति किसी वजह से परेशान है तो उससे हमदर्दी जताते हैं, कुछ मदद भी कर देते हैं। उसके बाद मन में संदेह पैदा करने के लिए कुछ सवाल खड़े करते हैं और अपने नजरिए को सही साबित करने के लिए दलीलें देते हैं। उसे उज्ज्वल भविष्य और परलोक सुधरने का ख्वाब दिखाते हैं। धीरे-धीरे उसे अपने रंग में रंग लेते हैं। वह व्यक्ति अपने परिवार और पूर्वजों के धर्म से विद्रोह करने को आमादा हो जाता है।

आज सोशल मीडिया पर कई अभिभावक इस बात को लेकर दुःख जताते हैं कि उन्होंने समय रहते बच्चों की ओर ध्यान नहीं दिया। एक परिवार, जिसके मुखिया का अच्छा कारोबार था, के लड़के ने दीपावली की रात लक्ष्मी पूजन में शामिल होने से इन्कार कर दिया था। पूछताछ में पता चला कि वह कई महीनों से किसी गिरोह के प्रभाव में था। वह आए दिन छोटी-छोटी बातों को लेकर लड़ाई-झगड़े करने लगा था। उसका दावा था कि वह सही है और पूरा परिवार गलत मान्यताओं का पालन करता है। इसी तरह, एक और परिवार की बेटी, जो बहुत प्रतिभाशाली थी और चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई कर रही थी, के इस फैसले से घर में हर कोई हैरान रह गया कि उसने धर्मांतरण कर लिया है और अब अपने पुरुष मित्र से शादी करेगी, जिसके पास उसके हर सवाल का जवाब है। उसने ऐसा किया भी; बाद में वह यूट्यूब चैनल बनाकर उस पर अपनी कहानियां सुनाने लगी। हालांकि इस दौरान उसे महसूस हुआ कि उसने जल्दबाजी में फैसला ले लिया और ऐसी कई बातें थीं, जिनके बारे में उसे कोई जानकारी नहीं थी। इसके बावजूद वह अपने चैनल पर होने वाली बहसों में उन बातों का पक्ष लेती थी, क्योंकि अब उसके पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। उक्त गिरोहों के पक्ष में यह दलील खूब दी जाती है कि कई उच्च शिक्षित और मशहूर लोगों ने भी धर्मांतरण किया है, क्या उन्हें हकीकत मालूम नहीं थी? दरअसल, उच्च शिक्षित होना और मशहूर होना इस बात की गारंटी नहीं है कि वह व्यक्ति किसी के बहकावे में नहीं आ सकता या उससे कोई गलत फैसला नहीं हो सकता। हाल में कई उच्च शिक्षित लोग, जिनमें नेता, अभिनेता, वकील, जज, डॉक्टर, बैंक मैनेजर, शिक्षक, पत्रकार आदि हैं, के साथ साइबर ठगी की घटनाएं हो चुकी हैं। ठगों ने उन्हें अपनी बातों में इस कदर उलझाया था कि वे शिकार हो गए। जिन गिरोहों ने धर्मांतरण को धंधा बना लिया है, वे उच्च शिक्षित लोगों को भी शिकार बना सकते हैं। ऐसे कृत्य करने वालों को कानून की ओर से कठोर दंड मिलना चाहिए। साथ ही, परिवारों में ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि बच्चे इनसे सावधान रहें।

ट्वीटर टॉक

चूरू जिले की ग्राम पंचायत जोड़ी में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा' अभियान के अंतर्गत आयोजित जनसभा को संबोधित कर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प के अनुरूप संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

–भजनलाल शर्मा

लोकतंत्र में काले झंडे दिखाना विरोध करने का एक सामान्य तरीका है परन्तु जिस प्रकार भाजपा सरकार पुलिस के माध्यम से बार-बार लोकतांत्रिक विरोध करने पर भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई कर रही है, वह बेहद निंदनीय है।

–अशोक गहलोत

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के पूज्य पिताजी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारजनों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

–मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

समय का सदुपयोग

सर्वोदयी नेता विनोबा जी के असली दांत टूट चुके थे, और वे नकली दांतों का इस्तेमाल करते थे। वे रोज़ अपने हाथ से दांत धोते थे, जिसमें लगभग पंद्रह मिनट का समय लग जाता था। एक दिन, जानकी देवी ने विनोबा जी से कहा, 'आपके पंद्रह मूल्यवान मिनट दांत धोने में लगते हैं, यह ठीक नहीं है। क्या किसी और को यह काम नहीं सौंप सकते? ऐसा समय का दुरुपयोग होता है।' विनोबा जी मुस्कराते हुए बोले, 'हाथ-पैर से जो काम करते हैं, उसमें समय का दुरुपयोग नहीं होता। असल में समय का दुरुपयोग तब होता है जब हमारे मन में कोई काम, क्रोध, लोभ या अन्य विकार उत्पन्न होते हैं।

जब हमारा मन अशांत होता है, तब समझो कि वही समय व्यर्थ गया। अगर हम शुद्ध मन से कोई भी काम करते हैं, तो वह समय कभी व्यर्थ नहीं जाता।' यह बात हमें यह सिखाती है कि किसी भी काम को जब हम पूरी आत्मिक शांति और संतुलन के साथ करते हैं, तो वह समय का सही उपयोग होता है, चाहे वह कितना भी साधारण क्यों न हो।

सामयिक

फिलवक्त बिहार में विपक्षी राजनीति का चक्का जाम

डॉ. आशीष वशिष्ठ
मोबाइल : 94-5100-5200

चुनाव आयोग द्वारा बीती 25 जून से बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। इस प्रक्रिया का विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस' यानी इंडी गठबंधन विरोध कर रहा है। विपक्ष इस मसले पर कानूनी लड़ाई भी लड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष की 9 राजनीतिक पार्टियों ने याचिका दाखिल की है, जिस पर सर्वोच्च अदालत 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने नौ जुलाई बिहार में चक्का जाम करने का निर्णय किया है। विपक्ष की राजनीति और बॉडी लैंग्वेज से ऐसा आभास हो रहा है मानो मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण से उसका बना बनाया खेल बिगड़ गया है। फिलवक्त बिहार में विपक्ष की राजनीति का चक्का जाम दिखाई दे रहा है।

निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, जबकि पांच राज्यों- असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले अवैध प्रवासियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर यह कवायद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। इसी वजह से पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है।

बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। जाति आधारित सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार बिहार में करीब 17.70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर अहम भूमिका अदा करते हैं। इन इलाकों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। बिहार की 11 सीटें हैं, 10 से 30 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। जानकारों का मानना है कि चुनिंदा क्षेत्रों में अगर एक निश्चित मात्रा में नाम कट जाएं तो मुकाबला कमजोर हो जाएगा।

वहीं ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहाद उल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम ने भी विपक्ष के सामने संकट पैदा कर दिया है। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तर उल ईमान ने लालू प्रसाद को चिट्ठी लिख कर कहा कि एमआईएम को महागठबंधन में शामिल किया जाए। राजद की ओर से पहली प्रतिक्रिया में पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने इसके लिए मना कर दिया है। असल में एआईएमआईएम ने राजद और कांग्रेस दोनों को उलझा दिया है। ये दोनों पार्टियां कहती रही हैं कि ओवैसी की पार्टी भाजपा की बी टीम है और हर बार राजद, कांग्रेस को हराने के लिए चुनाव लड़ती है। लेकिन इस बार उन्होंने अपनी ओर से तालमेल की पहल की है। अगर राजद, कांग्रेस तालमेल के लिए तैयार नहीं होते हैं तो फिर कैसे एमआईएम पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाएंगे! राजद और कांग्रेस की स्थिति सांप छछूंदर वाली हो गई है। इंडी गठबंधन बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए को टक्कर देने के लिए दो तरफा योजना बना रहा है।

इसके तहत वह कल्याणकारी योजनाओं के वादों के साथ-साथ सामाजिक न्याय का एक बड़ा मुद्दा भी पेश करेगा। विपक्ष रोजगार की तलाश में गरीब बिहारियों के बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने के उपाय के रूप में विशेष रोजगार सृजन योजनाओं की पेशकश करने के लिए भी काम कर रहा है। विपक्षी गठबंधन को उम्मीद है कि वह स्थानीय भावनाओं को भी प्रभावित करने के लिए एक अभियान चलाकर यह दावा कर सकेगा कि बिहार में कुछ नौकरशाहों के माध्यम से एक दिल्ली गिरोह छद्म सरकार चला रहा है, वह भी ऐसे समय में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शारीरिक फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं।

लेकिन विपक्ष के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिहार चुनाव में उसका चेहरा कौन होगा? विपक्ष अभी अपना चेहरा तय नहीं कर पाया है। राजद तेजस्वी को भावी मुख्यमंत्री और विपक्ष के चेहरे के तौर पर पेश कर रहा लेकिन गठबंधन में इस पर कोई सहमति नहीं है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस मुद्दे पर सहमति बनना मुश्किल है। गठबंधन का कोई भी दल अपनी दावेदारी कम नहीं करना चाहता। ऐसे में विपक्ष भले ही ऊपरी तौर पर ताकतवर दिखने के लिए एकजुटता दिखा रहा है, लेकिन अंदरखाने विपक्ष के चेहरे यानी सीएम प्रत्याशी के नाम को लेकर भारी उथल पुथल मची है। सत्तारूढ पक्ष की ओर से साफ किया जा चुका है कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरेग। और चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नीतीश कुमार बैठेंगे। बिना चेहरे के चुनाव मैदान मे उतरने से विपक्ष का पलड़ा कमजोर होना तय है, क्योंकि इस से यह मैसेज जायेगा कि विपक्ष एकजुट नहीं है। बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष खासकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और जन सुराज के संयोजक जिन मुद्दों को आधार बनाकर बिहार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके हर मुद्दे की लगातार हवा निकाल रहे हैं। चाहे बिहार की सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू करने की बात हो या सामाजिक पेंशन की राशि में बढ़ोत्तरी का मुद्दा। यानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष से दो कदम आगे चल रहे हैं।

चुनाव में अभी लगभग तीन महीने का वक़्त है, तब तक राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा ये अभी कह पाना मुश्किल है। फिलवक्त बिहार मे विपक्ष की राजनीति उलझी और फंसी हुई दिख रही है। चुनाव आयोग की कार्रवाई से विपक्ष की हताशा भी सामने आ चुकी है। ऐसा लग रहा है मानो विपक्ष की सारी उम्मीदें मतदाता सूची पर ही टिकी हुई थी। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में पुनरीक्षण शुरू करके उसका बना बनाया काम बिगाड़ दिया हो। कानून और नियमों के तहत चुनाव आयोग साफ सुथरी मतदाता सूची बनाना चाह रहा है। इससे भला किसी को क्या परेशानी हो सकती है। लेकिन विपक्ष ने इस प्रक्रिया का विरोध कर अपनी मंशा साफ कर दी है। आशंका इस बात की भी है कि कहीं विपक्ष अपनी संभावित हार को देखते हुए चुनाव आयोग और सरकार पर आरोप मढ़ने की नीयत से पेशबंदी तो नहीं कर रहा। हालांकि इन सबके बीच एक बात तो तय है कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष उन तमाम मुद्दों को जरूर टेस्ट करना चाहेगा जो आने वाले समय में देश और खासकर विपक्ष की राजनीति पर असर डाल सकते हैं।

नजरिया

गुरु जीवनरूपी अंधेरों को मिटाकर उजाला करते हैं

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है-ईश्वर से भी ऊंचा। गुरु न केवल ज्ञानदाता हैं, वे जीवन के वास्तुकार, जीवन-निर्माता एवं संस्कारदाता हैं। वे शिष्य को केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि आत्मा के स्वरूप से उसका परिचय कराते हुए उसका जीवन-निर्माण करते हैं। वे न केवल अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं, बल्कि जीवन की दुविधाओं, असमंजसों और भ्रमों को दूर कर उसे सार्थक दिशा देते हैं। ऐसे ही गुरु-तत्व के पूजन का पर्व है-गुरु पूर्णिमा, जो हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को श्रद्धा और समर्पण से मनाया जाता है। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। वेदव्यास ने चारों वेदों का संकलन किया, पुराणों की रचना की और महाभारत जैसा अद्वितीय महाकाव्य रचा। वे न केवल ज्ञान के स्रोत थे, बल्कि आत्मबोध के महामार्गदर्शक भी थे। गुरु पूर्णिमा सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पव हैं, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। भारतीय लोकचेतना में सत्य की ओर गति कराने एवं जीवन को जीवंतता देने वाले गुरु को ईश्वर माना गया है। इसीलिये पर्वों, त्यौहारों और उत्सवों की श्रृंखला में गुरु पूर्णिमा का सर्वोपरि महत्व माना गया है। यह अध्यात्म-जगत विशेषतः सनातन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है।

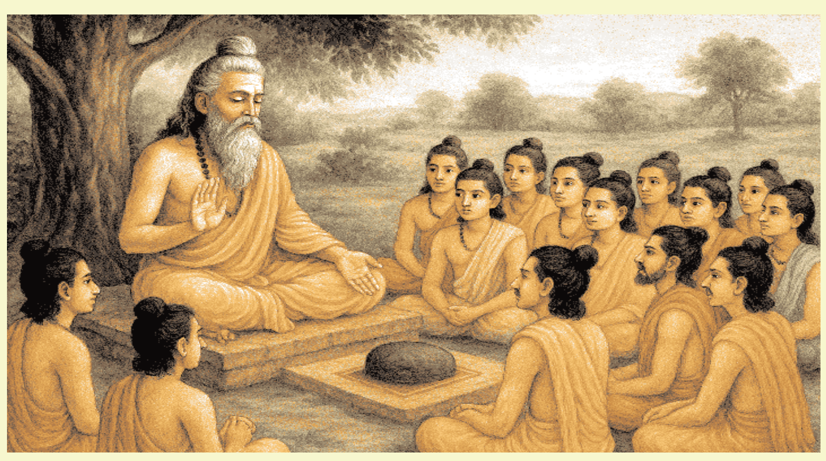

गुरु वह दीप है, जो हमारे अंतर्मन के अंधकार को मिटाता है। वह वह द्वीप है, जो संसाररूपी समुद्र में दिशा देता है। वह वह वृक्ष है, जो तपते जीवन में छांव देता है। और वह ऐसी अग्नि है, जो चेतना को प्रज्वलित करती है। हमें इस गुरु पूर्णिमा पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सच्चे गुरु की तलाश करें-जो भीतर की यात्रा कराए, जो अहंकार को तजने में सहायता करे, जो आत्मा की पहचान कराए। गुरु जीवन का वह मोड़ है, जहां से जीवन बदलता है। वह नया घाट है, जहां से आत्मा का जल बहता है।

गुरु एक नाम नहीं, एक स्थिति है। वे केवल शरीरधारी व्यक्ति नहीं, एक दिव्य ऊर्जा हैं, जो हमारे भीतर शक्ति, ज्ञान एवं संस्कार को जागृत करती है। कबीरदास ने कहा-गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय? यह केवल काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना की वह आधारशिला है, जिस पर जीवन की संपूर्ण संरचना टिकी है। गुरु वही है जो मैं' को गलाकर तू' में मिला दे, जो अहंकार को मिटाकर आत्मा को उभार दे। यह केवल पूजा का दिन नहीं, आत्म-प्रेरणा का दिवस है; गुरु के प्रति कृतज्ञता, मार्गदर्शन और जीवन को नया मोड़ देने वाले उस आधारस्तंभ को नमन करने का दिन है। गुरु पूर्णिमा का पर्व विशेष रूप से सनातन धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं भारतीय ज्ञान परंपरा में अत्यंत पूज्यनीय है। भारत की मनीषा में गुरु केवल धार्मिक या शैक्षणिक संस्था के सदस्य नहीं हैं, बल्कि वे एक आध्यात्मिक बीज हैं, जो शिष्य के अंतर्मन में चेतना का वृक्ष बनकर प्रस्फुटित होते हैं।

गुरु-शिष्य का संबंध केवल औपचारिक नहीं, आत्मिक होता है। शिष्य का अर्थ ही है-जो शीघ्र ग्रहण करे, जो समर्पित हो।' और गुरु का अर्थ है-गु' यानी अंधकार और रु' यानी प्रकाश-जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए। प्राचीन गुरुकुल परंपरा में यह संबंध अत्यंत पवित्र और जीवनपर्यंत टिकने वाला होता था। शिष्य केवल विद्या ही नहीं, गुरु के जीवन से भी सीखता था। चरित्र, संयम, श्रद्धा, विनम्रता और सेवा जैसे गुण गुरु के व्यक्तित्व से शिष्य के भीतर स्वतः उतरते थे। महावीर ने गौतम गणधर को, बुद्ध ने आनंद को, नानक ने अंगद को, श्रीकृष्ण ने संदीपनि को और फिर स्वयं अर्जुन को शिष्यत्व प्रदान किया। श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र से जीवन की मर्यादा सीखी, वहीं श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्धभूमि में कर्मयोग का उपदेश देकर जगतगुरु का दर्जा पाया। ये उदाहरण दिखाते हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता-वह जीवन का दृष्टिकोण बदल देता है।

आज भौतिकतावादी युग में गुरु के प्रति आस्था में गिरावट आई है। शिक्षा संस्थान सूचना का प्रसार कर रहे हैं, लेकिन जीवन मूल्यों का संचार नहीं कर पा रहे। विद्यार्थियों को डिग्रियां तो मिल रही हैं, पर दिशा नहीं। ज्ञान है, पर विवेक नहीं; विज्ञान है, पर आत्मा नहीं; बुद्धि है, पर करुणा नहीं। इसका मूल कारण है-जीवन में सच्चे गुरु का अभाव। आज ट्यूटर हैं, टीचर हैं, प्रोफेसर हैं-पर गुरु नदारद हैं। ऐसे में गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि केवल पढ़ना-पढ़ाना पर्याप्त नहीं है, जीवन जीने की कला सिखाने वाला गुरु चाहिए। गुरु जीवन की धार को नया मोड़ देते हैं। जैसे नदी जब किसी घाट से गुजरती है, तो उसका स्वरूप बदलता है, वैसे ही गुरु का सान्निध्य शिष्य के भीतर नई चेतना, नई दृष्टि और नया जीवन का संचार करता है। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवी आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है- गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके।

गुरु केवल उपदेश नहीं देता, वह जीता है। उसकी हर बात, हर चुप्पी, हर दृष्टि, हर मौन एक शिक्षा होती है। उसका जीवन एक ग्रंथ होता है, जिसकी हर बात शिष्य के जीवन में अमिट छाप छोड़ती है। शास्त्रों में कहा गया है-गुरु बिना गति नहीं, गुरु बिना ज्ञान नहीं, गुरु बिना मोक्ष नहीं। गुरु ही शिष्य के अंतर्मन में आत्मा की चिंगारी प्रज्वलित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती है-सच्चे गुरु की पहचान। आज ऐसे कई कथित गुरु हैं जो अपने अनुयायियों की संख्या, चमत्कारों और धन-संपत्ति के आधार पर महान कहलाते हैं। वे गुरु नहीं, व्यापारी हैं-जो मोक्ष, आत्मज्ञान, कुण्डलिनी जागरण, रोग निवारण और चमत्कारों के नाम पर लोगों की भावनाओं का दोहन कर रहे हैं। इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। ऐसे अज्ञानी, धन-लोलुप और पाखंडी लोगों ने गुरु परंपरा की छवि को धूमिल किया है। सही कहा गया है-पानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के।

सच्चा गुरु न विज्ञापन करता है, न दिखावा। वह न चमत्कार दिखाता है, न भीड़ जुटाता है। वह मौन से शिक्षा देता है, दृष्टि से दिशा देता है और आशीर्वाद से शांति देता है। उसका सान्निध्य ही साधना है, उसकी चरण-वंदना ही ऊर्जा है। गुरु पूर्णिमा हमें स्मरण कराती है कि चातुर्मास काल में जब ईश्वर निद्रा में होते हैं तब गुरु ही हमें मार्ग दिखाते हैं। वे हमारे दुःखों का हरण करते हैं, मोह का निवारण करते हैं और जीवन को नई दृष्टि देते हैं। गुरु का सच्चा सम्मान केवल उनकी मूर्ति पर फूल चढ़ाना नहीं है, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलना है। उनके उपदेशों को आत्मसात करना, अपने जीवन में विनम्रता, सेवा, संयम और समर्पण जैसे गुणों को विकसित करना ही सच्ची गुरु-पूजा है। तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा में लिखा है-जय जय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करहु गुरुदेव की नाईं। जिनके पास कोई गुरु न हो, वे हनुमानजी को गुरु बना सकते हैं-क्योंकि गुरुत्व एक चेतना है, एक भावना है, एक समर्पण है। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहां विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वरतुल्य गुरु, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा?

गुरु वह दीप है, जो हमारे अंतर्मन के अंधकार को मिटाता है। वह वह द्वीप है, जो संसाररूपी समुद्र में दिशा देता है। वह वह वृक्ष है, जो तपते जीवन में छांव देता है। और वह ऐसी अग्नि है, जो चेतना को प्रज्वलित करती है। हमें इस गुरु पूर्णिमा पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सच्चे गुरु की तलाश करें-जो भीतर की यात्रा कराए, जो अहंकार को तजने में सहायता करे, जो आत्मा की पहचान कराए। गुरु जीवन का वह मोड़ है, जहां से जीवन बदलता है। वह नया घाट है, जहां से आत्मा का जल बहता है। अंततः, गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, आत्म-बोध और समर्पण का पर्व है। यही इसकी सार्थकता है कि हम गुरु को केवल पूजें नहीं, अपने भीतर जगाएं। जब तक जीवन में सच्चा गुरु नहीं आता, तब तक आत्मा मौन रहती है। जैसे ही गुरु आता है, आत्मा गूंज उठती है। गुरु जीवन को नया घाट देते हैं, नयी झंकार देते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कक्षा छह में केवल 53 फीसदी विद्यार्थी 10 तक का पहाड़ा जानते हैं : शिक्षा मंत्रालय का सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा मंत्रालय के सर्वेक्षण से पता चला है कि कक्षा तीन के केवल 55 प्रतिशत छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि कक्षा छह के केवल 53 प्रतिशत छात्र 10 तक का पहाड़ा जानते हैं। समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) राष्ट्रीय सर्वेक्षण, जिसे पहले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) के रूप में जाना जाता था, पिछले साल चार दिसंबर को आयोजित किया गया था। इस सर्वेक्षण में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 781 जिलों के 74,229 स्कूलों में कक्षा तीन, छह और नौ के सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के 21,15,022 छात्रों को शामिल किया गया था।

सर्वेक्षण में कहा गया कि तीनों कक्षाओं के 1,15,022 बच्चों का मूल्यांकन किया गया और 2,70,424 शिक्षकों और स्कूल का नेतृत्व करने वालों ने प्रश्नावली के माध्यम से जवाब दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा तीन के केवल 55 प्रतिशत विद्यार्थी ही 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि 58 प्रतिशत विद्यार्थी दो अंकों की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकते हैं।

कक्षा छह में केवल 53 प्रतिशत छात्र अंकगणितीय संक्रियाओं और उनके बीच संबंधों को समझ और देख सकते हैं, कम से कम 10 तक जोड़ और गुणन की सारणी जानते हैं और दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए पूर्ण संख्याओं पर चार बुनियादी संक्रियाएं लागू करते हैं।

कक्षा छह में भाषा और गणित के साथ-साथ एक अतिरिक्त विषय 'हमारे आस-पास की दुनिया' शुरू किया गया था, जिसमें पर्यावरण और समाज शामिल है।

छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर गणित में सबसे कम अंक (46 प्रतिशत) प्राप्त किए, जबकि भाषा में औसतन 57 प्रतिशत और हमारे आस-पास की दुनिया में 49 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, ऐसे उदाहरण जहां 50 प्रतिशत से कम छात्र सही उत्तर देने में सक्षम थे, सीखने की प्रक्रिया में बाधा को दर्शाते हैं।

कक्षा नौ में केंद्र सरकार के स्कूलों के छात्रों ने सभी विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, भाषा में स्पष्ट बढ़त हासिल की। निजी स्कूलों ने विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन गणित में कम अंक प्राप्त किए। राज्य सरकार और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त स्कूलों में भी इसी तरह के परिणाम दर्ज किये गए।

ग्रामीण-शहरी विभाजन भी काफी हद तक देखा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में कक्षा तीन के छात्रों ने गणित और भाषा दोनों में बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि शहरी क्षेत्रों में कक्षा छह और नौ के बच्चों ने सभी विषयों में अपने ग्रामीण समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन किया।

स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार ने रिपोर्ट में कहा, ''मूल्यांकन से आगे बढ़कर, इस पहल का अगला चरण व्यवस्थित कार्रवाई को सक्षम करने पर केंद्रित है।

रैली

तेलंगाना महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सुनीता राव ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मंगलवार, को हैदराबाद में गांधी भवन से बोनालू रैली निकाली।

थाईलैंड के मंत्रिमंडल ने कैसीनो को वैध बनाने संबंधी विवादास्पद विधेयक वापस लिया

बैंकॉक/एपी। थाईलैंड के मंत्रिमंडल ने मंगलवार को उस विवादास्पद विधेयक को वापस ले लिया, जिसका उद्देश्य कैसीनो को वैध बनाना था। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री को नैतिकता जांच के कारण निलंबित कर दिया गया था।

उप वित्त मंत्री जुलापुन अमोरनविवत ने कहा कि सरकार केवल विधेयक को स्थगित करना चाहती है और उचित समय पर इसे फिर से पेश करेगी। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक स्थिति और कैबिनेट फेरबदल को इस निर्णय का कारण बताया। इस विधेयक को, जिसे मनोरंजन परिसर विधेयक के रूप में भी जाना जाता है, पहली बार जनवरी में मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था और सांसदों द्वारा समीक्षा का इंतजार किया जा रहा था। यदि यह पारित हो जाता है, तो यह कैसीनो को उन परिसरों में संचालित करने की अनुमति देगा, जहां होटल, कन्वेंशन हॉल, मॉल या थीम पार्क जैसे अन्य व्यवसाय भी स्थित हैं।

विधेयक को वापस लेने से पहले पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा को संवैधानिक न्यायालय द्वारा निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि उनके और एक वरिष्ठ कम्बोडियाई नेता के बीच हुई फोन कॉल लीक हो गई थी, जिससे ताजा राजनीतिक उथल-पुथल मच गई थी।

पैतोंगटार्न पर यह आरोप लगाते हुए नैतिक जांच चल रही है कि उन्होंने कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हुन सेन के समक्ष ऐसी टिप्पणियां कीं, जिससे थाईलैंड के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा। दोनों के बीच पिछले महीने सीमा विवाद पर चर्चा हुई थी। सत्तारूढ़ फ्यू थाई पार्टी ने कहा है कि यह विधेयक अधिक निवेश आकर्षित करने, पर्यटन को बढ़ावा देने तथा अवैध जुए के मुद्दे को सुलझाने में मदद करेगा।

संगीता बिजलानी की उथल-पुथल भरी रही जिंदगी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की चमक-दमक और मॉडलिंग की दुनिया में 'बिजली' के नाम से मशहूर संगीता बिजलानी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं। 9 जुलाई को एक्ट्रेस का जन्मदिन है। पूर्व मिस इंडिया न सिर्फ अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के लिए तो जानी जाती हैं ही उनकी निजी जिंदगी की उथल-पुथल भी सुर्खियां में रही। प्यार, शादी और तलाक की कहानियों से भरी उनकी जिंदगी एक ऐसी किताब है, जिसमें ग्लैमर के साथ-साथ दिल टूटने का दर्द भी दर्ज है। 9 जुलाई 1960 को मुंबई के सिंधी परिवार में जन्मीं संगीता ने महज 16 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। बला की खूबसूरती और आत्मविश्वास ने उन्हें जल्द ही मॉडलिंग की दुनिया का चमकता सितारा बना दिया। साल 1980 में मिस इंडिया का ताज जीतने के बाद संगीता ने बॉलीवुड की राह पकड़ी। उनकी पहली फिल्म 'कातिल' साल 1988 में आई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। असल पहचान 1989 में आई फिल्म 'त्रिदेव' से मिली। इसके बाद 'जुर्म' और 'युगांधर' जैसी एक्शन पैक्ड फिल्मों का हिस्सा बनीं।

बिजलानी छोटे पर्दे पर भी दिखीं। उन्होंने साल 1996 में आए टीवी शो 'चांदनी' में काम किया। इस शो में उनके साथ एक्टर शाहबाज खान थे। उनका फिल्मी करियर भले ही ज्यादा लंबा नहीं चल सका, लेकिन उनकी स्टाइल और ग्लैमर ने उन्हें हमेशा चर्चा में रखा। अब बात करते हैं संगीता की निजी जिंदगी के बारे में, जो हमेशा सुर्खियों में रही, खासकर सलमान खान के साथ उनका रिश्ता। फिल्मी गलियारों में ये बात आम थी कि एक फिल्म के सेट पर दोनों की मुलाकात हुई और जल्द ही दोनों बॉलीवुड के 'फेवरेट कपल्स' में से एक बन गए। आठ साल से ज्यादा चला रिश्ता शादी में तब्दील होने वाला था। शादी के कार्ड तक छप गए थे, लेकिन ऐन वक्त पर यह शादी टूट गई। इस बात की पुष्टि खुद एक्ट्रेस ने की थी। 'इंडियन आइडल' के 15वें सीजन में पहुंचीं संगीता ने इस बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने एक कंटेस्टेंट के सलमान खान संग जुड़े शादी के सवालों पर जवाब देते हुए बताया कि 'ये सच था, शादी होने वाली थी, मगर ऐन वक्त पर उन्हें धोखा मिला।'

इसके अलावा, उन्होंने मजाकिया अंदाज में सलमान का नाम लिए बगैर बताया कि उनके 'एक्स' उन्हें छोटे कपड़े पहनने से रोकते थे, जिससे वह अपने शुरुआती करियर में 'दबाव' महसूस करती थीं। हालांकि, ब्रेकअप के बाद भी दोनों ने दोस्ती का रिश्ता बरकरार रखा, जो आज भी कायम है। दोनों हाल ही में आयोजित एक इवेंट में साथ में नजर आए थे। संगीता के अलावा, सलमान खान ने भी करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में कबूला था कि शादी के कार्ड्स छप गए थे लेकिन शादी न हो सकी। प्यार में धोखे के बाद संगीता खुद को संभाल रही थीं। तभी उनकी मुलाकात भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन से हुई। उन्होंने साल 1996 में शादी कर ली। शादी के बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली थी।

'लकड़बग्घा 2' में शामिल हुईं जेन डियास

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सारा जेन डियास अब फिल्म 'लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस' की कास्टिंग टीम में शामिल हो गई हैं। इस बात की जानकारी अभिनेता और फिल्म निर्माता अंशुमन झा ने दी है। फिल्म से जुड़ने को लेकर अपनी खुशी जताते हुए सारा जेन डियास ने कहा, मुझे 'लकड़बग्घा 1' बहुत पसंद आई थी। जब मैंने सुना कि यह फिल्म एक ऐसे यूनिवर्स का हिस्सा है जिसमें जानवरों से प्यार करने वाला एक हीरो है, और अब यह कहानी आगे बढ़ रही है, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। ऐसी फिल्में बहुत कम मिलती हैं जो एक्शन के साथ कोई अच्छा मकसद भी दिखाएं, जिसमें बेजुबान जानवरों की रक्षा करना शामिल हो। उन्होंने कहा कि 'लकड़बग्घा 2' आज के समय से जुड़ी हुई और भावनाओं से भरी फिल्म है। सारा ने कहा, इस फिल्म ने मुझे वो मौका दिया, जिसका मैं लंबे समय से सपना देख रही थी। मैं स्क्रीन पर एक्शन करना चाहती थी। मैं बहुत खुश हूं कि अंशुमन ने मुझे फिल्म का हिस्सा बनाया। बाकी टीम के साथ इस सफर में शामिल होकर अच्छा महसूस हो रहा है। अंशुमन ने अपने सोशल मीडिया पर सारा के शामिल होने की जानकारी देते हुए लिखा कि सारा के आने से 'लकड़बग्घा' की टीम और भी ताकतवर और दमदार हो गई है। वह पर्दे पर एक शांत लेकिन जबरदस्त असर लेकर आती हैं। उन्होंने कहा, सारा की ताकत, सादगी और गहराई उन्हें 'लकड़बग्घा' की दुनिया के लिए एकदम सही बनाती है। इस बार सिर्फ हमारी टीम वापस नहीं आई है, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत, दमदार और गहराई से भरी हुई है। रिद्धि के बाद अब सारा के आने से हमारी कहानी में भावनाएं भी बढ़ी हैं और इसकी पहुंच भी। 'लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस' की शूटिंग जारी है। इसे इसी साल सर्दियों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के पहले पार्ट में रिद्धि डोगरा और अंशुमन झा नजर आए थे। दोनों एक बार फिर इसके दूसरे पार्ट में दिखाई देंगे। इसके साथ ही फिल्म में सनी पांग भी अहम किरदार में हैं। 'लकड़बग्घा' 13 जनवरी 2023 को रिलीज हुई थी और जुलाई 2023 में इसका प्रीमियर जर्मनी के स्टटगार्ट में हुए 20वें इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था।

'आपकी कहानी हमें आज भी प्रेरणा देती है', कैप्टन विक्रम बत्रा को याद कर भावुक हुए सिद्धार्थ मल्होत्रा

मुंबई/एजेन्सी

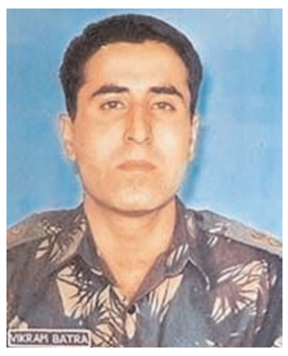

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कारगिल युद्ध के नायक कैप्टन विक्रम बत्रा को उनकी शहादत के दिन याद किया। कैप्टन विक्रम बत्रा ने 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। वह 'ये दिल मांगे मोर!' जैसे जोश से भर देने वाले नारे के लिए भी जाने जाते हैं। सोमवार को अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में कैप्टन विक्रम बत्रा पहाड़ियों पर खड़े होकर कैमरे के लिए पोज दे रहे हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, कैप्टन विक्रम बत्रा, आपकी कहानी हमें आज भी प्रेरणा देती है। आपने हमें सच्ची ताकत का मतलब समझाया। आज मैं आपके उस दिन को याद कर रहा हूं, जब आपने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। आपके बलिदान को कभी नहीं भूला जा सकता। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 2021 में बनी फिल्म 'शेरशाह' में कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाया था। यह फिल्म कैप्टन के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म का निर्देशन विष्णुवर्धन ने किया था और कहानी संदीप श्रीवास्तव ने लिखी थी। फिल्म में सिद्धार्थ की पत्नी कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिका में थीं। कैप्टन विक्रम बत्रा ने जून 1996 में देहरादून के इंडियन मिलिट्री अकादमी (आईएमए) में दाखिला लिया था। वह वहां मानेकशॉ बटालियन में शामिल हुए, जो भारत के युद्ध नायक सैम मानेकशॉ के नाम पर है। उन्होंने यहां करीब 19 महीने की ट्रेनिंग पूरी की, और फिर 6 दिसंबर 1997 को आईएमए से ग्रेजुएट हुए। उसके बाद उन्हें इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट की रैंक मिली। कारगिल युद्ध के दौरान 7 जुलाई 1999 को कैप्टन विक्रम बत्रा वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी बहादुरी के लिए उन्हें मरणोपरांत 'परम वीर चक्र' से सम्मानित किया गया। वह जम्मू-कश्मीर के कारगिल के एरिया लेज, पॉइंट 4875 के पास पाकिस्तानी सैनिकों के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हो गए थे।

फिल्मों में महिला कलाकारों की भूमिका सीमित, ओटीटी पर असली मौका : वाणी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर ने सिनेमा में महिलाओं की बदलती स्थिति पर बात की। उन्होंने कहा कि अब एक नई पीढ़ी की एक्ट्रेस सामने आ रही हैं, जो सिर्फ रोमांटिक या पारंपरिक किरदार ही नहीं निभा रही हैं, बल्कि एक्शन से भरे, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल भी कर रही हैं। उन्होंने ओटीटी पर भी बेबाक राय रखते हुए कहा कि फिल्मों के मुकाबले ओटीटी पर एक्ट्रेस को टैलेंट दिखाने का सही मौका मिलता है। वाणी का मानना है कि यह एक अच्छा बदलाव है, जो दिखाता है कि महिलाएं अब हर तरह की भूमिका में आगे आ रही हैं और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, आजकल की नई एक्ट्रेस पुरानी सीमाएं तोड़ रही हैं। वह अब ऐसे किरदार कर रही हैं, जो एक्शन, तेज रफ्तार और उत्साह से भरपूर होते हैं। ये किरदार दिखाते हैं कि ताकत और गहराई से भरे भाव, दोनों एक साथ स्क्रीन पर दिख सकते हैं। अब भारतीय एक्ट्रेस बिना किसी डर के एक्शन फिल्मों में लीड रोल निभा रही हैं, जो पहले नहीं होता था। अब इंडस्ट्री में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है और ये बदलाव जरूरी भी है।

वाणी कपूर जल्द ही नेटफ्लिक्स की थ्रिलर सीरीज 'मंडला मर्डर्स' से ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस को अब पहले से बेहतर और दमदार कहानियों वाले रोल मिल रहे हैं। यहां कलाकारों को आजादी दी गई है, जिसके चलते वे ऐसे किरदार निभा सकते हैं, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करने वाले होते हैं। ओटीटी डेब्यू को लेकर वाणी कपूर ने कहा, मैं नेटफ्लिक्स पर अपनी पहली सीरीज के लिए कुछ खास और चुनौतीपूर्ण ढूंढ रही थी, और 'मंडला मर्डर्स' में मुझे वो मौका मिला। इसमें मैं एक ऐसे रोल में हूं, जो पहले से ज्यादा बोल्ड है। यह रोल मुझे शारीरिक और मानसिक तौर पर चुनौती देता है। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे ओटीटी बहुत पसंद हैं। यहां एक्ट्रेस को ज्यादा बेहतर और दमदार रोल मिलते हैं, जिनमें हम अपनी अभिनय की असली कला दिखा सकते हैं।

फिल्मों में अक्सर कहानी पुरुष एक्टर के इर्द-गिर्द ही घूमती है, जिससे एक्ट्रेस के रोल छोटे या सीमित रह जाते हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर हमें ज्यादा मौके और खुलापन मिलता है, जिससे हम अपने टैलेंट को सही तरीके से दिखा सकते हैं। 'मंडला मर्डर्स' सीरीज का निर्देशन गोपी पुथरन ने किया है। इसे वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। इस शो में वाणी कपूर के साथ-साथ वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला और श्रिया पिलगांवकर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह वेब सीरीज 25 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

'साइको सइयां' का मेरे करियर में बड़ा योगदान : ध्वनि भानुशाली

मुंबई/एजेन्सी

सिंगर ध्वनि भानुशाली के सॉन्ग 'साइको सइयां' को रिलीज हुए छह साल पूरे हो चुके हैं। ध्वनि ने 'साहो' के गाने से जुड़ी अपनी यादें ताजी की और बताया कि यह उनके करियर में खास महत्व रखता है। ध्वनि भानुशाली ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने खास तरीके से प्रैक्टिस की थी और तेलुगू, तमिल के साथ मलयालम में हर शब्द को सावधानी से उच्चारण करना सीखा। ध्वनि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'साइको सइयां' पर डांस करती नजर आईं। यह गाना साल 2019 में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'साहो' का है, जिसमें प्रभास, श्रद्धा कपूर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ, अरुण विजय और नील नितिन मुकेश जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुजीत ने किया था। ध्वनि ने कैप्शन में लिखा, आज 'साइको सइयां' सॉन्ग के छह साल पूरे हो चुके हैं। मुझे आज भी याद है, जब यह सब शुरू हुआ था। मैंने 'वास्ते' गाना रिलीज किया था और गोवा में दोस्तों के साथ थी, तभी मुझे फोन आया कि 'साइको सइयां' को तीन और भाषाओं, तेलुगू, तमिल और मलयालम में गाना है। उन्होंने बताया कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी नर्वस भी थीं, लेकिन उनकी टीम ने उनका हौसला बढ़ाया।

इस गाने के लिए ध्वनि ने संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ काम किया और हर भाषा में शब्दों का सही उच्चारण सीखा। शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात प्रभास और श्रद्धा कपूर से हुई। ध्वनि ने बताया, कई लोगों ने मुझसे कहा कि मेरी आवाज श्रद्धा के लिए एकदम सही थी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। ध्वनि ने इस गाने को करियर का पहला बड़ा कदम बताया, जिसने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और प्रशंसकों के करीब लाया। उन्होंने गायक सचेत टंडन के साथ मिलकर बनाए इस गाने को प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, जब मैं अपने शोज में या सोशल मीडिया पर फैंस को इस गाने पर गाते-नाचते देखती हूं, तो मुझे संगीत की ताकत का एहसास होता है।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ने भारतीय टीवी को फिर से परिभाषित किया: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली/भाषा। नेता एवं अभिनेत्री स्मृति ईरानी क्योंकि सास भी कभी बहू थी में तुलसी विरानी की भूमिका के साथ अभिनय में वापसी कर रही हैं।

ईरानी ने सोमवार को कहा कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में आदर्श बहू तुलसी विरानी की भूमिका निभाना महज एक भूमिका में वापस आना नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी की ओर लौटना है, जिसने भारतीय टेलीविजन को फिर से परिभाषित किया और उनके जीवन को आकार दिया।

स्टार प्लस पर 2000 से 2008 तक प्रसारित होने वाला और एक व्यवसायी परिवार में होने वाली गतिविधियों को दर्शाने वाला हिट शो, मंच पर एक नए अवतार में लौट रहा है। सोमवार को चर्चा और तेज हो गई जब ईरानी की मैरून साड़ी पहने एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई। कई लोगों ने इसे शो से उनका पहला लुक बताया।

ईरानी ने कुछ यात्राएं पूर्ण चक्र में होती हैं-पुरानी यादों के लिए नहीं, बल्कि उद्देश्य के लिए शीर्षक से एक बयान में कहा, इस अगले अध्याय में योगदान देकर, मैं 'क्योंकि...' की विरासत का सम्मान करने की आशा करती हूं - और एक ऐसे भविष्य को आकार देने में मदद करूंगी, जहां भारत के रचनात्मक उद्योगों का न केवल सम्मान किया जाएगा, बल्कि उन्हें वास्तव में सशक्त बनाया जाएगा।

ईरानी ने कहा, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में वापसी करना केवल एक भूमिका में वापस आना नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी में वापसी है, जिसने भारतीय टेलीविजन को फिर से परिभाषित किया और मेरे अपने जीवन को नया आकार दिया। इसने मुझे व्यावसायिक सफलता से कहीं अधिक दिया- इसने मुझे लाखों घरों से जुड़ने का मौका दिया, एक पीढ़ी के भावनात्मक ताने-बाने में जगह दी।

भाजपा नेता ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में उन्होंने दो शक्तिशाली मंचों - मीडिया और सार्वजनिक नीति पर काम किया है और दोनों का अपना प्रभाव है प्रत्येक अलग तरह की प्रतिबद्धता की मांग करता है।'' उन्होंने कहा, आज, मैं एक ऐसे चौराहे पर खड़ी हूं, जहां अनुभव भावना से मिलता है, और रचनात्मकता दृढ़ विश्वास से मिलती है। मैं न केवल एक अभिनेत्री के रूप में वापस आयी हूं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो परिवर्तन लाने, संस्कृति को संरक्षित करने और सहानुभूति का निर्माण करने के लिए कहानी कहने की शक्ति में विश्वास करती है। इस शो को लाखों लोगों ने टेलीविजन पर देखा।

इसमें अमर उपाध्याय, अपरा मेहता और हितेन तेजवानी भी थे। इसे एकता कपूर ने बनाया था। 1,800 से अधिक कड़ी वाले इस शो ने तीन जून को 25 साल पूरे कर लिए। ईरानी ने इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक एक पोस्ट भी साझा की थी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी ने अपने श्रमण परिवार के साथ सोमवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में वर्षावास के लिए मंगल प्रवेश किया। स्वागत यात्रा केशवनगर स्थित पंकज बाफना के निवासस्थान से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई स्टेशन रोड स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर परिसर में पहुंची।

माहेश्वरी महिला संगठन का 'आनंद मेला उत्थान-2025' का आयोजन 12 जुलाई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में 12 जुलाई को शहर के ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में सुबह 10 बजे से एक दिवसीय आनंद मेला उत्थान-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में पत्रकारवार्ता करते हुए संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियानी ने बताया कि संगठन द्वारा हर वर्ष आनंद मेले का आयोजन किया जाता है जिसका मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को एक सशक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराना और उन्हें व्यापार में सहयोग करना है। बियानी ने बताया कि इस वर्ष भी माहेश्वरी भवन के कुल 4 माले में 80 से ज्यादा स्टॉल लगाए जाएंगे। इस मेले में त्यौहारी सीजन को देखते हुए रेडीमेड कपड़े, राखी, स्वर्ण व डायमंड ज्वेलरी, बेडशीट्स, फैन्सी ज्वेलरी, डिजाइनर साड़ी, सलवार शूट, घर के साज सज्जा आइटम, सौंदर्य प्रसाधन आइटम, गिफ्ट आइटम, सजावटी आइटम सहित खाने पीने के आइटमों के अनेक स्टॉल लगाए जाएंगे। बच्चों के लिए मनोरंजक खेलों के भी स्टॉल होंगे। इस मेले में महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए चयनीत जरूरतमंद महिलाओं को बहुत ही कम दाम पर स्टॉल उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस आनंद मेले से प्राप्त बचत राशि जैन मिशन अस्पताल के डायलेसिस रोगियों व व्हॉटस फाउंडेशन के गुरुकुल व गौशाला के सहयोगार्थ दी जाएगी।

मंत्री निर्मला कांकणी ने बताया कि इस आनंद मेले के मुख्य प्रायोजक नीलकंठ गोल्ड एवं डायमंड्स प्रतिष्ठान, पुरस्कार प्रायोजक नेशनल प्लाइवुड के संगीता दीपक साबू परिवार, मीडिया प्रायोजक अंकित इन्फोटेक स्टूडियो के सम्पतदेवी रेवंतमल झंवर परिवार व गेट प्रायोजक अरिहंत ज्वेलर्स है। उन्होंने बताया कि इस बार मेले को लेकर महिला सदस्याओं में विशेष उत्साह है और सभी तैयारियों में लगी हुई हैं। इस मेले में नीलकंठ का भी एक बड़ा सारा स्टॉल रहेगा जिसमें खरीददारी करने वाले ग्राहकों को विशेष ऑफर दिया जाएगा। प्रतिष्ठान की निदेशिका सिमरन कौर ने कहा कि महिला व आभूषणों का बहुत पुराना नाता है और नीलकंठ उसी रिश्ते को आगे बढ़ाने व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से इस आयोजन में महिला संगठन के साथ आया है। इस मौके पर माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष व मंत्री के साथ अन्य उपस्थित सदस्याओं ने नीलकंठ प्रतिष्ठान के प्रमुखों ने आनंद मेला उत्थान 2025 के पोस्टर का अनावरण भी किया।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बिलावास गौशाला सेवा समिति के सदस्यों ने 25 नवम्बर से राजस्थान के बिलावास स्थित गौशाला में भगवान श्रीकृष्ण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने के लिए मंगलवार को जयपुर में पाली के सांसद पी पी चौधरी, राजस्थान के पशुपालन विभाग मंत्री जोराराम कुमावत, पाली जिला के भाजपा अध्यक्ष सुनील भंडारी से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रण पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर गौशाला के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, छेलाराम काग, गौतमचंद संचेती, लक्ष्मण आगलेचा, मांगीलाल चोयल, खिंवाराम आगलेचा, देवेंद्र धोका, अमराराम चोयल, सचिव नरेन्द्र आच्छा आदि उपस्थित थे।

बसवनगुड़ी में 'सद्गुरु शरणम् यात्रा संघ 2025' की हुई घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी आराधना भवन में स्थानीय खरतरगच्छ संघ के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा आयोजित होने जा रहे सद्गुरु शरणम यात्रा संघ 2025'की घोषणा हुई व लोगो का अनावरण किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने डिजिटल स्क्रीन पर संघ के लोगो का अनावरण किया। विजयराज दोशी, त्रिलोककुमार बोथरा, सज्जनराज खटोड़, जवेरीलाल गुलेच्छा एवं खरतरगच्छ संघ के मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा, परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना, मंत्री विकास खटोड़ ने यात्रा आवेदन पत्रों का विमोचन किया। तेजस छाजेड़ एवं भरत गटागट ने डिजिटल माध्यम से उपस्थित जन समूह को यात्रा कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हवाई संघ यात्रा का प्रस्थान 4 सितम्बर को तथा वापसी 11 सितम्बर को होगी। यात्रा में चारों दादागुरु के पुण्यधाम महरौली, मालपुरा, अजमेर, बिलाड़ा के साथ ही उनकी जन्मभूमि धोलका, विक्रमपुर, सिवाना, खेतासर के अलावा जैसलमेर, कापरडा, ब्रह्मसर, ओसिया, ओस्तरा, नाकोड़ाजी, कलीकुंड पार्श्वनाथ आदि तीर्थ स्थलों की भी यात्रा करवाई जाएगी। संचालन करते हुए संयोजक राजेन्द्र गुलेच्छा ने संघ यात्रा के समस्त प्रायोजक परिवारों के नाम की घोषणा के साथ ही उनके प्रति आभार जताया। विकास पारख ने बताया कि संघ बाड़मेर कुशल वाटिका भी जाएगा जहाँ गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के दर्शन करेंगे एवं उनकी ही निश्रा में संघ सहयोगियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुनिश्री मलयप्रभसागरजी एवं गुरुवर्या हर्षपूर्णाश्रीजी ने आयोजकों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ट्रस्ट व परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

सरकारी अस्पतालों में जन औषधि बंद करने पर हाईकोर्ट की रोक

गरीब मरीजों के लिए बड़ी जीत : तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक में सत्तासीन कांग्रेस को झटका देते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्रों को बंद करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति एमआई अरुण ने जन औषधि केंद्र मालिकों द्वारा दायर याचिकाओं के एक समूह में यह आदेश पारित किया, जिसका प्रतिनिधित्व सांसद तेजस्वी सूर्या के नेतृत्व वाली कानूनी टीम ने किया। इस मामले पर एक बयान में सूर्या ने कहा कि कर्नाटक राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की सभी को कम कीमत पर

उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने की प्रमुख योजना 'जन औषधि केंद्रों' को बंद करने की पूरी कोशिश की। जबकि मैंने संसद के अंदर इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी, मेरे कार्यालय ने भी कानूनी लड़ाई लड़ी। हमने कर्नाटक हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने अब सरकारी अस्पतालों में जन औषधि स्टोर बंद करने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। गरीब मरीजों और उनके परिवारों के लिए यह बड़ी जीत है। युवा अधिवक्ता अनिरुद्ध कुलकर्णी और उनकी टीम ने अच्छा काम किया है। इस साल मई की शुरुआत में कर्नाटक सरकार ने सरकारी अस्पतालों में चल रहे जन औषधि केंद्रों को बंद करने का आदेश दिया था। सरकार ने सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवाइयां उपलब्ध कराने के अपने प्रयासों के साथ टकराव का हवाला देते हुए यह आदेश दिया था।

राणी दादी के संगीतमय मंगलपाठ में झूमे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय नारायणी दादी परिवार संस्था के तत्वावधान में रविवार को श्री दादीजी के संगीतमय मंगलपाठ का आयोजन डिविनिटी अपार्टमेन्ट में किया गया। अध्यक्ष महेश अग्रवाल व संजय सिद्धार्थ नोपानी परिवार ने विधि विधान से पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की। सिद्धार्थ नोपानी टीम ने संगीतमय पाठ का वाचन कर व भजनों के माध्यम से उपस्थित दादी भक्तों को नाचने झूमने को प्रेरित किया। इस अवसर पर नारायणी दादी परिवार के चेयरमैन मुरलीधर भाऊवाला, अध्यक्ष महेश अग्रवाल, सचिव सिद्धार्थ नोपानी सब सभी पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण अपने परिवार सहित उपस्थित हुए। इस मौके पर चन्द्रप्रकाश रामसिसरिया, विपिनराम अग्रवाल, शिवकुमार टेकरीवाल सहित अनेक लोगों ने दादी दरबार के दर्शन किए। भाऊवाला फाउंडेशन की सीता भाऊवाला के सौजन्य से लवलाविका वृद्धाश्रम विजयनगर एवं तारा वृद्धाश्रम राजराजेश्वरीनगर में अन्नदान भी किया गया।

क्षमा करने वाला व्यक्ति हमेशा शांत, धैर्यवान व संयमी होता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। शहर के शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्रसूरी गुरुमंदिर संघ काईपेट में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री ने कहा कि हमारा वर्षावास हर वर्ग की भलाई, धार्मिक, आध्यात्मिक विकास, अहिंसा और शाकाहार के प्रचार- प्रसार, बालकों के संस्कार निर्माण तथा आपसी सद्भावना, व्यसन मुक्ति और मानवीय गुणों के जतन के लिए समर्पित है। साधु-संत बिना मौसम के भी अपने परिचय में आने वाले हर व्यक्ति के जीवन में वसंत की बहार ले आते हैं। मनुष्य जीवन में क्षमा अर्थात माफ करने का बहुत बड़ा महत्व है। जो व्यक्ति क्षमा करना जानता है वह जीवन में सदैव आगे बढ़ता है, उन्नति प्रगति करता है। क्षमाशील होने का मतलब है सहनशील होना या क्षमा करने वाला। क्षमा जीवन का एक आभूषण है।

क्षमा करने वाला व्यक्ति हमेशा शांत प्रकृति का होता है, धैर्यवान होता है, संयमी होता है। वह हृदय से उदार और दयालु होता है। साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि हर दिन एक अवसर है स्वयं को थोड़ा और शांत, थोड़ा और अच्छा और थोड़ा और सरल बनाने का। जिसने सरलता को जीवनशैली बना लिया, मानो उसने सफलता को अपने निकट बुला लिया। संघ के अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि 11 जुलाई से गौतम कमल लब्धितप प्रारंभ होगा।

यशवंतपुर तेरापंथ भवन में भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में मंगलवार को ओम भिक्षु के अखंड जप अनुष्ठान से 300वां भिक्षु जन्म दिवस एवं 268वां बोधि दिवस का शुभारंभ हुआ। साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु भविष्यदृष्टा थे, सौम्य, सहनशील व हंसमुख थे। भिक्षु स्वामी और भगवान महावीर मे अनेक समानताएं हैं। भीखणजी ने त्याग में धर्म और भोग में अधर्म बताया। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने भिक्षु जीवन दर्शन की संक्षिप्त में व्याख्या की और कहा कि आचार्य भिक्षु को सभी जानते हैं, मानते हैं पर आचरण में लाना शेष है। जब भिक्षु आचरण में आएंगे तो हम लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। बच्चों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी। महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष मीना दक ने रात्रिकालीन कार्यक्रम की जानकारी दी।

उत्तर कर्नाटक के लिए वरदान बनेगा वर्षावास : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

गदग में जैनाचार्य का हुआ मंगल चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी ने अपने श्रमण परिवार के साथ सोमवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में वर्षावास के लिए मंगल प्रवेश किया। स्वागत यात्रा केशवनगर स्थित पंकज बाफना के निवासस्थान से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई स्टेशन रोड स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर परिसर में पहुंची। साफा और पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर बैंड की मधुर धुनों पर हर्ष-उल्लास से नाचते हजारों भक्तों ने इस वर्षावास प्रवेश यात्रा को यादगार बना दिया। प्रवेश अवसर पर शामिल होने के लिए स्थानीय सकल जैन समाज के अलावा राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और विशेषकर कर्नाटक के अनेक गांवों-शहरों से हजारों श्रद्धालु गदग पहुंचे। गदग में पिछले सौ साल को दृष्टिगत रखते हुए यह सबसे बड़ा आयोजन था। चातुर्मास के विविध कार्यक्रमों के लिए बनाए गए विशाल पंडाल पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में स्वागत समारोह और धर्मसभा का आयोजन हुआ। मंगलाचरण के पश्चात लालीदेवी रूपचंद बाफना परिवार और अन्य लाभार्थियों ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। तीस बालकों व युवाओं ने सामूहिक भक्तिनृत्यों की मनोहारी प्रस्तुतियां दी। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना और दलीचंद कावड़ ने सभी का स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हम जन-जन को जगाने का दृढ़ संकल्प लेकर गदग आए हैं। यह वर्षावास उत्तर कर्नाटक की जनता के लिए वरदान बनेगा। वर्षावास की हर गतिविधि से प्रेरणा और परिवर्तन की निर्मल धारा बहेगी, ऐसा हमारा विश्वास है। उन्होंने कहा कि गदग के जैन संघ ने हमारे वर्षावास का संकल्प कर बहुत बड़े साहस का परिचय दिया है। किशोर व युवा वर्ग को समाज, राष्ट्र और धर्म की मुख्य धारा से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर मुंबई लालबाग के तेजुकाय बिल्डर परिवार ने मंदिर की प्रतिष्ठा, उपाश्रय के उद्घाटन और आगामी वर्षावास के लिए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी से मुंबई आने का निवेदन किया। इस मौके पर मैसूरु के जैन चेरिटेबल ट्रस्ट ने त्रिमंज़िला जैन अस्पताल और कॉमर्स कॉलेज के लोकार्पण हेतु संतों से निवेदन किया। हैदराबाद के मुणोत व बाफना परिवार ने नवनिर्मित हंस मंदिर की अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए हैदराबाद पधारने का आग्रह किया।

मुंबई के भंवरलाल पालरेचा परिवार ने सभी श्रमणों को वर्षावास की कंबल अर्पण की। चेन्नई के राजेश भंसाली परिवार ने गुरुपूजन का विधान किया। अनेक जैन संघों ने वर्षावास के बाद जैनाचार्य से अपने-अपने क्षेत्र में पधारने का निवेदन किया। गणि पद्मविमलसागरजी ने वर्षावास की रूपरेखा समझाई। चेन्नई के मनोज राठौड़ ने समारोह का संचालन किया। जैनाचार्य की प्रतिभा को देखकर स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, तेरापंथ समाज, कच्छी ओसवाल समाज और दिगम्बर समाज भी इस वर्षावास में श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के साथ अनुमोदक के रूप में जुड़ा है। ऐसी सामाजिक एकता की सभी ने सराहना की।

'जैकपॉट ट्रेज़र हंट' में लेडीज विंग ने पाया खुशी व टीम नेटवर्किंग का खजाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग ने सोमवार को फोरम साउथ मॉल में जैकपॉट ट्रेज़र हंट' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 9 टीमों ने भाग लिया। जीतो स्पोर्ट्स विंग के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में 150 सदस्याएं शामिल हुई। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। हर टीम को अलग-अलग रंग की टी-शर्ट दी गई। स्पोर्ट्स संयोजिका साक्षी नाहर ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। नीतू गुलेच्छा और अवधि चौहान ने खेल के नियम समझाए। सहसंयोजक तरुणा मेहता ने प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वेलरी का परिचय दिया।

विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित मनीष गुलेच्छा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से आत्मविश्वास बढ़ता है और समाज में एकता आती है। जैकपॉट ट्रेज़र हंट' कार्यक्रम में हर टीम ने पूरे मॉल में दौड़ लगाई, पहेलियाँ सुलझाईं, और चुनौतियों का सामना किया। अंत में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम %, नेवी ब्लू पावर गर्ल्स ने जैकपॉट जीत लिया और टीम 2 पिंक टीम उपविजेता बनी। बाकी सभी टीमों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। हर प्रतिभागी को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। लेडीज विंग की उपाध्यक्ष लता बोहरा, सोमना सिसोदिया, अश्मिता चौहान, प्रिया गांधी, राशि जैन, वनीता बच्छावत, अंगिका बाफ़ना, संगीता सियाल, चंद्रा जैन, और निशा कोठारी, अवधी चौहान ने व्यवस्था संभाली। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, मुख्य सचिव नितिन लुनिया और महिला विंग की मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने शुभकामनाएं दी। नीतू गुलेच्छा ने सभी के प्रति आभार जताया।

पूर्व सांसद डीके सुरेश दूसरी बार ईडी के समक्ष पेश हुए

बेंगलूरु। पूर्व सांसद डी.के. सुरेश एक महिला के खिलाफ धन शोधन से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। इस महिला पर कई लोगों से धोखाधड़ी करने का आरोप है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पिछले 15 दिन में यह दूसरी बार है जब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के भाई सुरेश ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश हुए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महिला ऐश्वर्या गौड़ा (33) को उसके, कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी और कुछ अन्य के खिलाफ छापेमारी के बाद अप्रैल में गिरफ्तार किया था। ईडी ने उस समय एक बयान में कहा था कि महिला ने कई हाई-प्रोफाइल'' नेताओं से जान-पहचान होने का दावा करते हुए लोगों को सोना, नकदी और बैंक में जमा राशि पर मोटे मुनाफे का लालच देकर धोखाधड़ी की। उस पर आरोप है कि उसने डी.के. सुरेश के नाम का इस्तेमाल किया और उनकी बहन होने का दावा किया। गौड़ा, उसके पति हरीश के. एन और कुछ अन्य के खिलाफ बेंगलूरु के चंद्र लेआउट और राजराजेश्वरी नगर थानों में धोखाधड़ी के कम से कम तीन मामले दर्ज हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com